पटना ●मंगलवार, 20 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः220 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

नशीले पदार्थों के व्यापार के खिलाफ... 3 www. bordernewsmirror.com अनन्या पांडे की पहली ... 8

भाजपा में शामिल होने को लेकर चंपई से नहीं हुई बात

बाबूलाल मरांडी बोले- वे खुद तय करेंगे रास्ता

रांची। झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की चर्चा के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने जवाब दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा में शामिल होने के संबंध में चंपई सोरेन से अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। चंपई मंझे हुए राजनेता हैं और वे अपना रास्ता खुद तय करेंगे।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि चंपई सोरेन से अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। वह एक अनुभवी राजनेता हैं और अलग झारखंड आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। जिस तरह उन्हें सीएम पद से हटाया गया है। इससे वह आहत हैं और अपमानित महसूस कर रहे हैं। अगर चंपई सोरेन जैसे वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ेंगे तो इसका असर पार्टी पर पड़ेगा।

भाजपा विधायकों की खरीद-फरोख्त करती है के सीएम हेमंत सोरेन के आरोप के जवाब में मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन कह रहे हैं कि उनके विधायक बिकाऊ हैं। अगर आप सभी विधायकों को वह बिकाऊ कहेंगे, तो कौन बेचेगा? मरांडी ने कहा कि मैं आपके साथ रहना चाहता हूं। अगर कोई विधायक अपना दुख व्यक्त करता है, तो आपको उसकी बात सुननी चाहिए।

झारखंड बीजेपी के प्रवक्ता प्रतुल शैदेव ने कहा कि अगर चंपई सोरेन बीजेपी में शामिल होने की इच्छा जाहिर करते हैं तो पार्टी नेतृत्व फैसला लेगा। शदेव ने कहा कि चंपई सोरेन एक बड़े नेता हैं और उन्होंने हेमंत सोरेन की भ्रष्ट पार्टी की छवि बदलने की कोशिश की। हम व्यक्तिगत रूप से उनका सम्मान करते हैं। झामुमो के वरिष्ठ नेता और मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि चंपई सोरेन पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और अगर कोई मुद्दा है तो उसे सुलझा लिया जाएगा।

दरअसल झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन रविवार को दिल्ली पहुंचे थे। इसे लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि वे भाजपा में शामिल हो सकते हैं। वहीं एक सोशल मीडिया पोस्ट में चंपई सोरेन ने कहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में कड़वे अपमान का अनुभव किया। ऐसे में उन्हें वैकल्पिक रास्ता तलाशने के लिए मजबूर होना पड़ा।

चंपई ने पोस्ट में कहा था कि पार्टी विधायकों की बैठक के दौरान उन्हें इस्तीफा

देने के लिए कहा गया था। इससे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंची। चंपई सोरेन ने कहा था कि उनके पास तीन विकल्प हैं। पहला राजनीति से संन्यास लेना, दूसरा अलग संगठन बनाना और तीसरा अगर कोई सहयोगी मिल जाए तो उसे साथ लेकर आगे बढ़ना। आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव तक मेरे लिए सभी विकल्प खुले हैं।

पवार बोले - पीएम और सिस्टम में एक राय नहीं: मोदी वन नेशन-वन इलेक्शन की बात कहते हैं, चुनाव आयोग दूसरे रास्ते चलता है

पुणे। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी-शरद गुट (NCP-SCP) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार 19 अगस्त को कहा कि प्रधानमंत्री और चुनाव आयोग दोनों अलग-अलग बातें करते हैं। पीएम ने स्वतंत्रता दिवस पर वन नेशन-वन इलेक्शन की बात कही थी। अगले ही दिन को चुनाव आयोग ने दो राज्यों में अलग-अलग तारीखों में विधानसभा चुनावों का ऐलान कर दिया। प्रधानमंत्री एक बात कहते हैं, जबकि सिस्टम दूसरे रास्ते पर चलता है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि बार-बार होने वाले चुनाव देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। देश को वन नेशन, वन इलेक्शन के लिए आगे आना होगा। इसके बाद 16 अगस्त को चुनाव आयोग ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का ऐलान किया। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। हरियाणा की सभी 90 सीटों पर सिंगल फेज में 1 अक्टूबर को वोटिंग होगी। दोनों राज्यों के नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, डॉक्टर की पहचान उजागर करने वाला अरेस्ट

आरोपी ने पोस्ट करके ममता बनर्जी को जान से मारने की धमकी दी थी

कोलकाता/नई दिल्ली। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में दिल्ली समेत देशभर के रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। इस बीच कोलकाता पुलिस ने एक कॉलेज स्टूडेंट को ट्रेनी डॉक्टर की पहचान उजागर करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि स्टूडेंट ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर कर ट्रेनी डॉक्टर की जानकारी पब्लिक डोमेन में डाली। उसने सीएम ममता बनर्जी को जान से मारने की भी धमकी दी थी। इसे लेकर केस दर्ज कर लिया गया है। इसके अलावा दिल्ली में AIIMS के रेजिडेंट डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्रालय के बाहर ओपीडी लगाई। उन्होंने डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए कहा- ट्रेनी डॉक्टर के परिवार को न्याय मिलना चाहिए। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या की गई थी। 14 अगस्त की देर रात इसी अस्पताल में हिंसा हुई, जिसके बाद डॉक्टरों ने प्रदर्शन तेज किया।

ट्रेनी डॉक्टर की डायरी के पन्ने गायब

ट्रेनी डॉक्टर की मां ने बताया कि उनकी बेटी रोज डायरी लिखती थी। हालांकि, अब सामने आया है कि डायरी के कई पन्ने गायब (फटे) हैं। माना जा रहा है कि पीड़िता की मौत से जुड़ा कोई राज इन पन्नों में छिपा था। मृतका की मां का दावा है कि सबूत मिटाने के मकसद से पन्ने फाड़ दिए गए होंगे। पुलिस ने दूसरे सबूतों के साथ डॉक्टर का लैपटॉप और वह डायरी सीबीआई को सौंप दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सीबीआई को उस डायरी से इस घटना के बारे में कोई संकेत नहीं मिला था।

राजनाथ के अमेरिका दौरे से तेजस को मिलेंगे पंख

पीएम मोदी की यात्रा से पहले दुरुस्त करेंगे कील-कांटे!

नई दिल्ली। भारत के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके1ए (LCA MKvA) को जल्द ही अपना इंजन मिलने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जल्द ही अमेरिका के दौरे पर रवाना होने वाले हैं। सूत्रों का कहना है कि अपने इस पांच दिवसीय दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है।

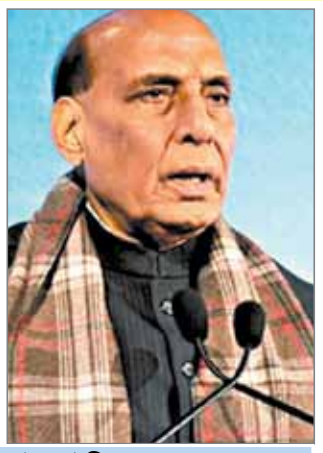

सितंबर में पीएम मोदी जाएंगे अमेरिका

सूत्रों मे बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 अगस्त से अमेरिका की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। रक्षा मंत्री 23 अगस्त को पेंटागन में अपने अमेरिकी समकक्ष डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत करेंगे। राजनाथ सिंह 21 से 25 अगस्त तक अमेरिका में रहेंगे। रक्षा मंत्री की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सितंबर को अमेरिका की यात्रा पर रवाना होने वाले हैं।

10 माह लेट है तेजस के इंजनों की डिलीवरी

रक्षा मंत्री के इस दौरे में महत्वपूर्ण रक्षा सौदों में हो रही देरी पर भी चर्चा होगी। इनमें एलसीए तेजस एमके1ए को इंजन सप्लाई में हो रही देरी का मामला भी उठाया जाएगा। तेजस लड़ाकू विमानों के निर्माण के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) को अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (GE) की तरफ से जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की सप्लाई में देरी का सामना करना पड़ रहा है। एचएएल को 83 तेजस मार्क-vA फाइटर जेट के निर्माण के लिए F404 सीरीज के इंजनों की डिलीवरी का बेसब्री से इंतजार है। उम्मीद जताई जा रही है कि जीई के तरफ ये इंजन सितंबर में सप्लाई किए जा सकते हैं। हालांकि इंजन सप्लाई में देरी की वजह से तेजस की डिलीवरी 10 माह लेट है।

- एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन डील को लेकर होगी चर्चा

रक्षा सूत्रों के मुताबिक तेजस इंजन मुद्दे के अलावा, इस दौरे में उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा होगी। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी। स्ट्राइकर के को-प्रोडक्शन में भारत की गहरी दिलचस्पी है, देश की सेनाओं की जमीनी लड़ाकू क्षमताओं में अहम बढ़ोतरी करेगी। सूत्रों ने बताया कि एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन सौदे को लेकर भी इस दौरे में चर्चा होगी। हाल ही में 31 जुलाई को भारतीय डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) ने कुछ सशोधनों के साथ एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन डील को मंजूरी दी है। सूत्रों के मुताबिक प्रीडेटर पर डीआरडीओ के बनाए एंटी-शिपिंग मिसाइल को लगाने की बात भी कही गई थी। लेकिन प्रीडेटर पर डीआरडीओ मिसाइल लगाने को लेकर जनरल एटॉमिक्स ने अड़ंगा लगाते हुए इसे लगाने के बदले मोटी रकम की मांग की।

देशभर में मनाया गया रक्षाबंधन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्कूल के बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। उन्होंने बच्चों से राखी भी बंधवाई और उनसे बात भी की। इस दौरान वे बहुत खुश नजर आए। राकी से पीए मोदी की कलाई भर

गई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए देशवासियों को भी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। एक बच्ची ने पीएम मोदी को बहुत ही खास राखी बांधी। इस राखी में एक विशेष संदेश के साथ एक तस्वीर भी थी।

यूक्रेन ने 3 दिन में रूस का दूसरा पुल उड़ाया, सेना की सप्लाई लाइन काटी

जेलेंस्की बोले- जहां कब्जा किया, वहां बफर जोन बनाएंगे

कीव। यूक्रेन ने कुर्स्क में हमला करके एक और अहम पुल को गिरा दिया है। यूक्रेन के वायु सेना कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा वीडियो भी जारी किया। उन्होंने कहा कि इस पुल का बहुत रणनीतिक महत्व है। इसके टूटने के बाद अब रूस की सप्लाई लाइन पर काफी असर पड़ेगा। रूस में ये दूसरा पुल है जिसे यूक्रेन ने तबाह किया है। 2 दिन पहले यूक्रेनी सेना ने कुर्स्क के ग्लुशकोवो में एक और पुल को गिरा दिया था। रॉयटर्स के मुताबिक यह पुल सीम नदी पर बना हुआ था। ये यूक्रेन की सीमा से 15 किमी दूर है।

अभी तक इस बात की आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है कि रविवार को जिस पुल पर हमला हुआ, वह वास्तव में कहां हुआ।

बेलारूस सीमा पर 1 लाख से ज्यादा यूक्रेनी सैनिक तैनात

यूक्रेन ने बेलारूस की सीमा पर भी हजारों सैनिक तैनात कर रखे हैं। ये दावा बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने किया। उन्होंने रविवार को एक इंटरव्यू में कहा कि यूक्रेन ने जुलाई की शुरुआत में बेलारूस की सीमा पर 1 लाख 20 हजार सैनिक तैनात किए थे। उन्होंने बाद में इसमें और इजाफा किया।

आंध्र प्रदेश में मिलावटी खाना खाने से 4 की मौत

30 अधिक बच्चे बीमार

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले के कोटावुराटला मंडल के कैलासा पटनम में एक धार्मिक संगठन (आराधना ट्रस्ट) की तरफ से संचालित छात्रावास में मिलावटी खाना खाने के कारण चार बच्चों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक अभी अनकापल्ली और विशाखापत्तनम जिलों के कई अस्पतालों में मिलावटी खाना खाने से बीमार पड़े कुल 37 बच्चों का इलाज चल रहा है।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर जताया दुख

मामले में अनकापल्ली कलेक्टर विजय कृष्णन ने बताया कि ये घटना जिले के कोटावुराटला मंडल के कैलासा गांव में हुई है। वहीं इस घटना पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अनकापल्ली जिला कलेक्टर विजय कृष्णन को अन्य प्रभावित बच्चों के लिए बेहतर उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया, जिनका वर्तमान में कई अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

राष्ट्रपति पद की दौड़ में डोनाल्ड ट्रंप से आगे निकलती दिख रहीं कमला हैरिस

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस लगातार आगे बढ़ रही हैं। वे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगातार चुनौती दे रही हैं। एक ताजा सर्वेक्षण में उनको ट्रंप से चार फीसदी ज्यादा वोट मिले हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन से पहले मिली यह मामूली बढ़त हैरिस के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक ताजा सर्वेक्षण में हैरिस को 49 फीसदी वोट मिले, जबकि डोनाल्ड ट्रंप को 45 फीसदी वोट मिले। अगर अलग-अलग उम्मीदवारों की बात करें तो हैरिस को 47 फीसदी, डोनाल्ड ट्रंप को 44 फीसदी और रॉबर्ट एफ कैनेडी को पांच फीसदी वोट मिले। जबकि जुलाई में हुए सर्वेक्षण में ट्रंप 43 फीसदी वोटों के साथ आगे थे। बिडेन को 42 फीसदी और कैनेडी को नौ फीसदी वोट मिले थे।

बिहार में 935 सिपाही तपती धूप में धरने पर बैठे

नाश्ते के बाद 265 ट्रेनी सिपाहियों की तबीयत बिगड़ी थी, सल्फास मिलाने का आरोप

सुपौल। बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (BSAP) के 935 ट्रेनी सिपाहियों ने सोमवार को 6 घंटे तक चिलचिलाती धूप में धरना दिया। ट्रेनी सिपाहियों का आरोप है उन्हें जहर मिला खाना दिया जा रहा है। खाने की क्वालिटी भी खराब है। दरअसल, रविवार को नाश्ते में पूड़ी, जलेबी और काबुली चने की सब्जी खाने के बाद 265 ट्रेनी सिपाहियों की तबीयत बिगड़ गई थी।

इसके बाद ट्रेनी सिपाहियों को तुरंत वीरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इलाज के बाद रात 1 बजे सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया। आरोप है कि जिस खाने से तबीयत बिगड़ी उसमें सल्फास (गेहूं को कीड़ों से बचाने वाली जहरीली दवा) मिलाया गया था। किचन से सल्फास की पुड़िया भी मिली है। हालांकि, खाने में सल्फास मिलाने की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है।

सिपाही सुबह 8 बजे से धरने पर बैठे थे। दोपहर 2 बजे डीआईजी सफीकुल हक मौके पर पहुंचे। खाने की व्यवस्था को ठीक करने का भरोसा दिया, इसके बाद सभी अपने-अपने बैरक में लौट गए।

डीआईजी ने कहा कि 'फूड पॉइजनिंग का मामला सही है। इसमें जांच के बाद एक्शन लिया जाएगा। जवान की खाने की थाली से पुड़िया मिली है। वो क्या है इसकी भी जांच करवाई जा रही है। इसे लेकर स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई जाएगी।' प्रदर्शन कर रहे सभी ट्रेनी सिपाही हैं।

- डेढ़ महीने से मिल रहा खराब खाना

ट्रेनी सिपाहियों का कहना है कि वे बिहार के विभिन्न जिलों से यहां पीटसी ट्रेनिंग के लिए डेढ़ महीने से रह रहे हैं। हमें हर दिन खराब खाना मिलता है। अधिकारियों को शिकायत करने के बाद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

- 400 ट्रेनी सिपाहियों की जगह 935 को रखा गया

ट्रेनी सिपाहियों का आरोप है कि टेनिंग सेंटर में 400 सिपाहियों के बैठने की कैपेसिटी है, लेकिन यहां 935 ट्रेनी सिपाहियों को बिठाकर ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनी सिपाहियों ने कहा कि मजबूरी में फर्श पर बैठकर ट्रेनिंग लेनी पड़ रही है। उन्होंने डीआईजी, आईजी से जांच की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार का हलफनामा, कहा-

मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिला रहा तीन तलाक कानून

नई दिल्ली। तीन तलाक कानून को लेकर दायर याचिका के जवाब में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। इसमें कहा गया है कि तीन तलाक कानून मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिला रहा है। साथ ही विवाहित मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण करता है। खुद को सुन्नी विद्वानों का संघ बताने वाले केरल के जमीयतुल उलेमा ने मुस्लिम महिला अधिनियम 2019 को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को अमान्य करार कर दिया है तो इसे अपराध घोषित नहीं किया जाना चाहिए। इसे लेकर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने हलफनामा दायर किया है। सरकार ने कहा कि तीन तलाक की प्रथा मुस्लिम महिलाओं के लिए घातक और उनकी स्थिति को दयनीय बना देती है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से 2017 में इस प्रथा को अमान्य करार किए जाने को कुछ ही मुस्लिम समुदायों ने वैध माना है। इसके बाद भी तीन तलाक के मामले पूरी तरह नहीं रुके।

अब सब्जी दुकान खोलेगी नीतीश सरकार सहकारिता विभाग का नया प्लान

पटना, एजेंसी। बिहार के किसानों के लिए खुशखबरी है। सब्जी की आर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को नीतीश सरकार मदद करेगी। उनके उत्पादों को बाजार मुहैया कराया जाएगा। सहकारिता विभाग ने इसकी योजना बनाई है। विभाग ने आर्गेनिक तरकारी बेचने के लिए सब्जी बूथ खोलने का निर्णय लिया है। पहले चरण में ट्रायल के तौर पर राजधानी पटना सहित प्रमुख शहरों में पंद्रह बूथ खोले जाएंगे।

इन दुकानों में बिक्री बढ़ने पर सब्जी बूथों की संख्या बढ़ाई जाएगी। सहकारी संघों के जरिए सब्जी बूथों पर तरकारी उपलब्ध कराई जाएगी। बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने बताया कि सचिवालय और अन्य 15 इलाकों में सब्जी बूथ खोलने की योजना है। जल्द ही इस संबंध में निर्णय लिए जाएंगे। सरकार आर्गेनिक खेती को बढ़ावा दे रही है। इसी के तहत विभाग ने भी आर्गेनिक सब्जी की बिक्री को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है।

किसानों को मिलेगा उचित दाम

दरअसल, आर्गेनिक सब्जी के उत्पादन में लागत अधिक लगती है। ऐसे में इसका दाम अधिक होता है जबकि खुले बाजार में कम कीमत की सब्जी उपलब्ध रहती है। इसलिए इसे बेचने के लिए किसानों को स्थानीय स्तर पर बाजार नहीं मिल पाता है। उन्हें कम कीमत पर ही उत्पाद बेच पड़ता है। सब्जी बूथों के जरिए किसानों को आर्गेनिक तरकारी के उचित दाम दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

सहकारी समितियों को होगा फायदा

वर्तमान में राज्य के 20 जिलों के 300 प्रखंडों में प्राथमिक सब्जी सहकारी समितियां गठित हैं। करीब 41 हजार इसके सदस्य बन चुके हैं। सरकार की योजना सभी जिलों में इसका विस्तार करने की है। इसे देखते हुए सहकारिता विभाग अभी से ही इसके लिए बाजार विकसित करने की तैयारी कर रहा है। सब्जी बूथ उसी दिशा में एक कदम है।

ऑनलाइन बेची जा रही सब्जी

वर्तमान में ऑनलाइन सब्जी बेची जा रही है। तरकारी मार्ट से लोग सब्जी खरीद सकते हैं। मार्ट से कई होटल, इस्कॉन मंदिर जैसी संस्थाएं सब्जी खरीद रही हैं। सामान्य दिनों में तरकारी मार्ट के जरिए रोजाना 75 हजार से एक लाख रुपये तक की सब्जी बिक रही है। वेजफेड के जरिए वर्ष 2019 से अब तक 74251 टन सब्जी बेचकर 130 करोड़ रुपये से अधिक का टर्नओवर हुआ है।

पंत भवन में सब्जी बिक्री केंद्र हुआ बंद

इससे पहले राजधानी में कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय की ओर से सब्जी बिक्री केंद्र खुला था। पंत भवन में इसकी दुकान थी। यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मदद से सब्जी बेची जा रही थी। यह योजना परवान नहीं चढ़ी तो विभाग ने इसे फ्रेंचाइजी को दे दिया। अभी यह दुकान नहीं खुलती है।

तंत्र-मंत्र की आड़ में हो रहा लोगों का धर्म परिवर्तन:हरकत में आई बिहार पुलिस

जांच का दिया निर्देश

बगहा (वाल्मिकीनगर), एजेंसी। बगहा के धनहा थाना क्षेत्र के गोबरहिया गांव में तंत्र-मंत्र और पानी पिलाकर लोगों का धर्म परिवर्तन कराने के मामले को लेकर प्रशासन हरकत में आ गई है। मामला प्रकाश में आने के बाद बिहार पुलिस मुख्यालय की विशेष शाखा ने जिला प्रशासन को मामले की गंभीरता से जांच करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, हर गुरुवार, शनिवार और रविवार को गोबरहिया में हजारों की संख्या में बिहार और उत्तर प्रदेश से लोग आते हैं। यहां एक पास्टर द्वारा तंत्र-मंत्र और दुआ के जरिए बीमारियों को ठीक करने का दावा किया जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस प्रक्रिया की आड़ में भोले-भाले लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि यह खेल तकरीबन 3 सालों से चल रहा था। पहली बार इस पर कार्यवाही का आदेश मिला हुआ है। स्थानीय लोगों ने बिना प्रशासनिक अनुमति के इतनी बड़ी संख्या में लोगों के इकट्ठा होने और संभावित हादसे की आशंका जताई थी।

प्रमुख सहित अन्य स्थानीय निवासियों ने इस प्रक्रिया को धर्म परिवर्तन से जोड़ते हुए कार्रवाई की मांग की थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बिहार पुलिस की विशेष शाखा ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को सतर्कता बरतते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस और प्रशासन अब इस पूरे मामले की गहन जांच कर रहे हैं।

मोबाइल लूट कर भागने के दौरान 2 बदमाश गिरफ्तार

गया, एजेंसी। गया में दिन दहाड़े कट्टा दिखा कर मोबाइल लूटने वाले दो बदमाश को अलीपुर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साथ ही एक नाबालिग लड़के को पकड़ा है। पकड़े गए एक आरोपी के खिलाफ झारखंड में पूर्व से केस दर्ज है। ये जहानाबाद के मखदुमपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टिकारी एसडीपीओ सुशील कुमार चंचल ने मामले में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि टिकारी पुलिस अनुमंडल के अलीपुर थाना क्षेत्र के निमसर गांव से सूचना मिली कि दो बदमाश एक व्यक्ति को कट्टा का भय दिखा कर मोबाइल लूट कर भाग रहे है।

बदमाशों का पीछा कर पुलिस ने पकड़ा : अलीपुर पुलिस तेजी से सक्रिय हुई और मौके पर पहुंची। बताया गया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया। भाग रहे बदमाशों की पुलिस पर नजर पड़ी, तो वे खेत के रास्ते भागने लगे। पीछा कर रही पुलिस ने घेर कर पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नीलेश कुमार सिंह और शाहनवाज के रूप में हुई है। शाहनवाज मखदुमपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वहीं, नीलेश अलीपुर का ही रहने वाला है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूट में इस्तेमाल कट्टे को खेत से बरामद कर लिया है। साथ ही लुटा गया मोबाइल भी जब्त कर लिया गया। शाहनवाज झारखंड के तांती सिल्वे थाना का पूर्व से अपराधी रहा है। उसके खिलाफ थाने में केस दर्ज है।

शौच करने गई नाबालिग लड़की से रेप

आरा में मां घर पर बना रही थी खाना, अंधेरे में मासूम को जबरन खेत में ले गया बदमाश

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के एक गांव में रविवार की देर शाम शौच करने जा रही किशोरी के साथ रेप हुआ है। उसी गांव का एक युवक जबरन उसे खेत में ले गया, फिर उसके साथ दुष्कर्म किया है। इस दौरान पीड़िता की मां घर पर खाना बना रही थी। घटना को लेकर गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित किशोरी के परिजन ने तुरंत स्थानीय थाना में आरोपी युवक के खिलाफ नामजद प्राथमिकी की दर्ज कराई है।

इसके बाद पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार पीड़ित किशोरी 12 साल की है। जबकि, आरोपी युवक उसी गांव के निवासी का बेटा है। इधर, पीड़ित किशोरी के पिता ने बताया कि उनका इलेक्ट्रॉनिक दुकान है। वह रविवार की देर शाम दुकान पर थे और उसकी मां घर पर खाना बना रही थी। तभी उसने अपनी मां से कहा कि मैं शौच करने जा रही हूं। इसके बाद वह घर से शौच करने के लिए निकल गई। घर से कुछ दूरी पर एक टेंपू स्टैंड है, वहां बिजली की लाइट आती है। एक मंदिर है, जहां काफी अंधेरा है। उक्त आरोपी भी अंधेरे में बैठा हुआ था। जैसे ही वह वहां पहुंची, तो उसने कहा कि कहां जा रही है। इसके बाद आरोपी ने उसे कंधे पर टांग लिया और खेत या बगीचा में ले गया और उसे अंधेरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। करीब 8 बजे वह घर वापस लौटी, तो उसने अपनी मां को घटना की जानकारी दी। इसके पश्चात पीड़ित किशोरी के माता-पिता ने स्थानीय थाना में आरोपी युवक के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

आरोपी के पिता को पुलिस ने हिरासत में लिया

पुलिस ने आरोपी के घर पहुंची। वह वहां से भाग निकला था। जिसके बाद पुलिस ने उसके पिता को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि अनुमंडल दो अंतर्गत कृष्णगढ़ थाना अंतर्गत एक गांव में 12 वर्षीय नाबालिग के साथ बलात्कार की सूचना स्थानीय थाना को देर शाम दी गई। सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस और सीनियर पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंच कर जांच कर रहे है। नाबालिग पीड़िता का मेडिकल टेस्ट व इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया।

फरार आरोपी की तलाश जारी

पीड़िता और उनके परिजनों के प्राथमिक बयान के आधार पर पड़ोस के ही रहने वाले नाबालिग आरोपी के ऊपर प्राथमिक की दर्ज की जा रही है। परिवार वालों के आरोप के आधार पर छापेमारी करते हुए आरोपी के पिता को पुलिस ने थाना लाया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में टीम छापेमारी कर रही है। पुलिस इस मामले में तेजी से कार्रवाई कर रही है। जल्द इसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। विधि संगत प्रक्रिया की जा रही है। वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए साक्ष्य के संकलन के लिए एफएसएल की टीम भी घटना स्थल पर रवाना हो गई है। अभियुक्त की गिरफ्तारी के साथ संपूर्ण घटनाक्रम का खुलासा किया जा रहा है।

दिलीप जायसवाल ने तेजस्वी यादव पर साधा निशाना बोले- लालू के बेटे नहीं होते तो चपरासी भी नहीं बनते

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार दिलीप जयसवाल बापू सभागार में पहुंचे थे। जहां बीजेपी नेता और कार्यकर्ताओं ने उनके लिए अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। जिसमें बीजेपी के तमाम विधायक ,नेता और सांसद भी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का फूल बुके और मोमेंटो से स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला कार्य समिति की बैठक भी की गई, जिसके बाद एनडीए गठबंध के नेताओं के साथ बैठक कर 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर चर्चा और रूप रेखा तैयार की। दिलीप जयसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार पीएम बनने और उनके द्वारा किए गए कामों की चर्चा की। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता से किये वादे को लेकर अभिनंदन प्रस्ताव भी भेजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा लोकसभा के चुनाव में जीत के बाद जनता से किए हुए वादे को पूरा करने के लिए विशेष पैकेज की राशि देने का काम किया है। जिसे लेकर सभी ने पीएम मोदी को बधाई दी है।

तेजस्वी पर साधा निशाना

अभिनन्दन समारोह को संबंधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि तेजस्वी यादव लालू के घर पैदा नहीं लिए होते तो शायद उन्हें चपरासी का नौकरी भी नहीं चलता। पिता के विरासत पर राजनीति कितना दिन चलेगा, यहां जो भी नेता है, सभी अपने कर्मी के दम पर पहुंचे है, तेजस्वी अपने पिता के विरासत पर चल रहे है।

मोदी की गारंटी

सांसद राधामोहन सिंह ने कहा कि जनता को पीएम मोदी के गारंटी पर विश्वास है। पीएम मोदी के किये काम की सभी तारीफ करते है उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं को गरीबो तक पहुचाने का काम किया है ।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भलुआ में बनेगा एक और पार्क

गया, एजेंसी। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भलुआ में एक अतिरिक्त पार्क बनाने की दिशा में वन विभाग आवश्यक पहल शुरू करेगा। बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित गौतम बुद्ध अभ्यारणय भलुआ पहुंचे राज्य के पर्यटन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने उपरोक्त बातें कही। कई किलोमीटर में फैले गौतम बुद्ध अभ्यारण का अवलोकन करते हुए मंत्री ने इसकी आधारभूत संरचना की जानकारी हासिल की। वनों के क्षेत्र पदाधिकारी शशि भूषण चौहान ने वन मंत्री को कई आवश्यक जानकारियां दी। सेंचुरी एरिया में पशु, पक्षी के रहने और विभाग की ओर से कराए जा रहे कार्य से अवगत कराया गया। मंत्री डॉ. प्रेम ने बताया कि संबंधित इलाके में एक और अतिरिक्त पार्क का निर्माण कराया जाने से पर्यटकों का इलाके में आवाजाही तेजी से होगा। बिहार झारखंड सीमा पर होने के कारण संबंधित इलाके में बिहार के अलावा पड़ोसी राज्य झारखंड के पर्यटक भी उपरोक्त पार्क में आएंगे। इससे इलाके में विकास की एक नई बयार बहेगी।

शराब तस्करों का पीछा कर रही पुलिस जीप पलटी, ड्राइवर की मौत, चार जख्मी, दारोगा का पिस्टल किया गायब

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण पुलिस जीप पलट जाने से ड्राइवर की दर्दनाक मौत हो गई। एनएच-27 पर बड़हरवा खुर्द गांव के समीप रविवार को हुई। गोपालगंज के महम्मदपुर थाने की निजी स्कार्पियो शराब तस्करी की सूचना पर कार का पीछा कर रही थी।अचानक पुलिस की गाड़ी पलट गई। हादसे में गाड़ी पर सवार एक दारोगा और तीन चौकीदार समेत चार पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। इलाज के लिए ले जाने के क्रम में पुलिस गाड़ी चला रहे चौकीदार सह ड्राइवर धमेंद्र कुमार की रास्ते में मौत हो गई।

दुर्घटना के बाद राहत कार्य में पहुंचे किसी व्यक्ति ने दारोगा की पिस्टल गायब कर दी। हालांकि, पिस्टल बाद में मिल गई। जख्मियों में दारोगा मोहन कुमार निराला गोपालगंज जिले के महम्मदपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर के रहने वाले हैं। चौकीदार बजरंग प्रसाद यादव, चौकीदार मदन राय महम्मदपुर थाना क्षेत्र के बांसघाट मसूरिया के रहनेवाले हैं। मृतक धर्मेन्द्र भी गोपालगंज के मंगलपुर निवासी थे। जानकारी के अनुसार कार में शराब लदी होने की सूचना पर महम्मदपुर पुलिस ने उसका पीछा करना शुरू किया। इस दौरान महम्मदपुर थाना क्षेत्र की सीमा से करीब छह किमी दूर बड़हरवा खुर्द गांव के समीप पुलिस की गाड़ी असंतुलित होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर से टकराकर सड़क पर ही पलट गई। हालांकि, पुलिस शराब तस्करी कर ले जा रही कार की जगह पिकअप से चौकीदार को ठोकर मारने के बाद पीछा करने की बात बता रही है। चकिया डीएसपी सतेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक दारोगा सहित दो चौकीदार जख्मी हुए हैं।

इलाज के क्रम में चौकीदार धमेंद्र कुमार की मौत हो गयी है। मामले में महम्मदपुर थाने के दारोगा संजीत कुमार ने डुमरियाघाट थाने में सनहा दर्ज कराया है। इसमें कहा गया है कि गोपालगंज के खोरमपुर चौक पर चेकिंग के दौरान एक पिकअप चौकीदार को ठोकर मारकर डुमरियाघाट की तरफ भागा। पीछा करने के दौरान गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। मामले में आगे की कार्रवाई महम्मदपुर पुलिस करेगी।

स्कूलों में छात्र व टीचरों की उपस्थिति, पढ़ाई, मिड डे मील की तीन स्तरीय जांच हो रही है

अनुश्रवण कोषांग का गठन, एक ही स्कूल की जांच में तीन अलग-अलग रिपोर्ट हुई तो कार्रवाई

पटना, एजेंसी। बिहार 38 जिलों में स्थित स्कूलों में छात्र और टीचर की उपस्थिति, मिड डे मील, पढ़ाई, नियमित स्कूल के खुलने को लेकर तीन स्तरीय जांच हो रही है। जांच के बाद प्रत्येक स्तर पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे मुख्यालय भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर स्कूलों की रैंकिंग करके उसपर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान यदि स्कूल की रैंकिंग अच्छी रही, तो टीचर को प्रोत्साहित किया जाएगा और रैंकिंग खराब पर होने पर विभाग की ओर से लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। जांच रिपोर्ट में यदि स्कूलों में कमियां रहती है, तो जिला और मुख्यालय स्तर पर तत्काल उसे सुधारने के लिए काम किया जाएगा। इस दौरान छात्र के ड्रेस, किताब, साफ-सफाई, स्कूलों की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच के लिए अनुश्रवण कोषांग गठित, जांच रिपोर्ट में भिन्नता पर अधिकारी दोषी : स्कूलों की जांच प्रखंड के साथ जिला स्तर पर अधिकारी कर रहे है। इसके साथ ही सप्ताह में पांच स्कूलों का निरीक्षण शिक्षा विभाग में पदस्थापित अधिकारी की जिम्मेदारी है। विभाग के स्तर पर हर निरीक्षण रिपोर्ट की समीक्षा कर जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे है। इस कार्य के लिए विभाग में अनुश्रवण कोषांग का गठन किया गया है। जिला और विभागीय पदाधिकारियों की जांच रिपोर्ट की समीक्षा में जो भी कमी पाई जाती है, उसके खत्म करने के लिए संबधित जिला शिक्षा पदाधिकारी को विभाग के स्तर से निर्देश दिए गए है। डीईओ द्वारा निरीक्षण और समीक्षा के बाद जो कमियां पाई जा रही है, उसका तत्काल निस्तारण किया जा रहा है। गठित कोषांग के द्वारा विभिन्न स्तर पर की गयी निरीक्षण और जांच की रिपोर्ट का मिलान भी किया जा रहा है। किसी स्कूल के अलग-अलग पदाधिकारियों के द्वारा किये गए निरीक्षण में कोई भिन्नता तो नहीं है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निरीक्षण-जांच रिपोर्ट में अगर भिन्नता पाई जाती है तो संबंधित पदाधिकारी-कर्मी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसकी वजह यह है कि विभाग ये मानेगा कि टेबल पर बैठ करके रिपोर्ट तैयार किया गया है।

बिहार में खाना खाकर 250 जवानों की तबीयत बिगड़ी: उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती

सुपौल, एजेंसी। बिहार के सुपौल में रविवार को खाना खाने के बाद 250 जवानों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को उल्टी- दस्त की शिकायत के बाद वीरपुर अनुमंडल अस्पताल लाया गया। सभी जवान भीमनगर स्थित बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की 12वीं और 15वीं बटालियन में ट्रेनिंग के लिए आए हैं। एसडीपीओ सुरेंद्र कुमार ने अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचकर जवानों का हालचाल जाना। जवान मुकेश कुमार ने बताया कि लगातार ट्रेनिंग के दौरान खाना खराब मिल रहा था। हमने पहले भी इसकी शिकायत की थी। आज खाना के बाद ट्रेनिंग कर रहे जवान की तबीयत बिगड़ गई।

इलाज के दौरान जवानों का हंगामा

इलाज के दौरान एकमात्र डॉक्टर होने के कारण जवानों ने हंगामा शुरू कर दिया। जवानों का कहना था, इतने बड़े अस्पताल में इलाज के लिए एक डॉक्टर है। इलाज होते-होते सुबह हो जाएगी और इतने समय में किसकी जान बचेगी और कौन रहेगा ये कहना मुश्किल है। जवानों ने ये भी आरोपी लगाया कि अस्पताल में किसी भी दवाई की सुविधा नहीं है। सभी दवा खरीदकर लानी पड़ रही है।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

नशीले पदार्थों के व्यापार के खिलाफ डीआरआई और एसटीएफ का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त करने का विशेष अभियान जारी

- एक पिस्टल 6 जिंदा कारतूस बरामद
- वैशाली जिले का कुख्यात गांजा तस्कर सरगना गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

रक्सौल सीमा सुरक्षा बल के तैनाती के बावजूद बड़े पैमाने पर अवैध नशीली पदार्थ और हथियारों की तस्करी भारत नेपाल की खुली सीमा होने के कारण अंतरराष्ट्रीय अवैध व्यापार का जाल पूरे बिहार में फैल चुका है। जिस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को लेकर डीआरआई और एसटीएफ के संयुक्त अभियान पूरे बिहार में चलाया जा रहा है। जिससे इन अवैध व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है। इन अवैध कारोबार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को लेकर डीआरआई पटना क्षेत्रीय इकाई और एसटीएफ इस खतरनाक नेटवर्क को ध्वस्त करने के अपने मिशन में एडिंग है। नशे के इस अवैध व्यापार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में, राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) पटना क्षेत्रीय इकाई ने बिहार के विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) के सहयोग से विगत दिनों वैशाली जिले में दो सबसे वांछित गांजा सरगनाओं, मिंटू सिंह (उर्फ मिंटू राय/माल्टा) और रामू सिंह (उर्फ रामू राय) को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की। यह निर्णायक कार्रवाई उन आपराधिक नेटवर्कों को ध्वस्त करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है जो वर्षों से इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। पिछले सात महीनों से, डीआरआई पटना क्षेत्रीय इकाई ने नशीले पदार्थों के खिलाफ अपनी लगातार और अथक मुहिम के तहत वैशाली जिले के गंगा बेल्ट से संचालित दो कुख्यात कार्टेलों द्वारा की जा रही गांजा के व्यापार के मामलों का नियमित रूप से पर्दाफाश किया है। ये कार्टेल पिछले पांच वर्षों से बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों के अवैध व्यापार में संलिप्त रहे हैं, और उन्होंने इस क्षेत्र की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों को अपने अवैध कार्यों के लिए सुरक्षित ठिकाना बना लिया था। डीआरआई ने इन चुनौतियों के बावजूद इन कार्टेलों के मास्टरमाइंड् को पकड़ने पर अपना ध्यान केंद्रित किया, जिसके परिणामस्वरूप यह सफल अभियान संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण अभियान की सफलता का श्रेय 60 दिनों से अधिक समय तक चली गहन निगरानी और निरंतर मानव आसूचना जानकारी जुटाने के प्रयासों को जाता है । डीआरआई पटना क्षेत्रीय इकाई ने बिहार के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ मिलकर अत्यधिक बहादुरी, सटीकता और पेशेवर कुशलता के साथ दो एक साथ चलाए गए अभियानों को अंजाम दिया। इस अभियान में बिहार एसटीएफ ने अपरिहार्य भूमिका निभाई, जिसमें उनकी अद्वितीय विशेषज्ञता और सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति समर्पण को बखूबी दर्शाया गया। गंगा बेल्ट की जटिल और खतरनाक भौगोलिक परिस्थितियों से निपटने का कार्य काफी चुनौतीपूर्ण था, जहां इन सरगनाओं ने अपने ठिकाने बना रखे थे। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र, जो अपनी कठिन भूगोल और लॉजिस्टिक चुनौतियों के कारण कुख्यात है, इन अपराधियों द्वारा अपने अवैध कार्यों के लिए एक रणनीतिक आवरण के रूप में उपयोग किया गया था। इन प्रतिकूलताओं के बावजूद, डीआरआई और एसटीएफ के संयुक्त प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया कि अभियान को बिना किसी हिंसा या अनहोनी घटना के सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। मिंटू सिंह, जो कि नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार में एक महत्वपूर्ण

भूमिका निभाता रहा है और कई प्रमुख गांजा के व्यापार के मामलों में संलिप्त रहा है, को उसके सख्त सुरक्षा वाले ठिकाने से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने, सशस्त्र संदिग्ध खतरे के बावजूद, अद्वितीय साहस का प्रदर्शन करते हुए इस खतरे को निष्प्रभावी किया। इस अभियान के दौरान एक पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए, जो इस मिशन कि जोखिम भरी प्रकृति को और भी स्पष्ट करते हैं। एक समानांतर अभियान में, एसटीएफ और डीआरआई टीमों ने रामू सिंह को भी सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया, जो 2022 से कानून प्रवर्तन एजेंसियों से फरार था। उसके गांव के एक बड़े क्षेत्र को घेरते हुए यह अभियान सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया, जो संयुक्त टीमों की योजनाबद्धता और क्रियान्वयन कौशल का प्रमाण है। रामू सिंह की गिरफ्तारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, विशेष रूप से उसके लंबे समय से नशीले पदार्थों के व्यापार में संलिप्त होने और इतने लंबे समय तक गिरफ्तारी से बचने की क्षमता को देखते हुए। दोनों आरोपियों ने गिरफ्तारी के बाद अपने अपराधों में संलिप्त होने की बात स्वीकार की, जिनके चलते पटना क्षेत्रीय इकाई ने इन सरगनाओं से जुड़े 1,500 किलो से अधिक गांजा की जब्ती की। यह जब्त की गई बड़ी मात्रा इनके व्यापक और अवैध व्यापार के पैमाने को दर्शाती है और इनके गैरकानूनी कार्यों के व्यापक प्रभाव को भी स्पष्ट करती है। यह अभियान, अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में, डीआरआई और एसटीएफ के नशीले पदार्थों के व्यापार के खिलाफ लड़ाई में असाधारण प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इन प्रमुख अपराधियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में नशीले पदार्थों, विशेष रूप से गांजा और हेरोइन के व्यापार में काफी कमी आने की उम्मीद है। यह अन्य आपराधिक तत्वों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां पूरी तरह से सुसज्जित हैं और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं, चाहे वे जितनी भी चुनौतियां पेश करें। अग्रिम जांच जारी है, और डीआरआई पटना क्षेत्रीय इकाई और एसटीएफ बिहार इस खतरनाक कार्टेल के शेष नेटवर्क को ध्वस्त करने के अपने मिशन में अडिग हैं। इस अभियान की सफलता इन एजेंसियों की अटूट प्रतिबद्धता, साहस और पेशेवर दक्षता का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

21 किलो गांजा के साथ एक नेपाली तस्कर गिरफ्तार

तस्करी में प्रयुक्त चोरी का कार बरामद

बीएनएम। मोतिहारी। जिले बंजरिया थाना पुलिस ने रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चोरी की कार में लदे गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर नेपाल के वीरगंज निवासी मो. वहाब बताया गया है।बंजरिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से गांजा की तस्करी कर लाया जा रहा है।सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के सिंघिया गुमटी ओवरब्रीज के समीप कार को रोक कर तलाशी ली गयी।इस दौरान कार से 21.400 किलो ग्राम गांजा बरामद किया गया। जिसके बाद तस्कर को गिरफ्तार किया गया। साथ ही जांच में पाया गया कि तस्करी में प्रयुक्त कार चोरी की है। वही पूछताछ के दौरान गिरफ्तार तस्कर ने कई अहम खुलासे किए हैं। इसके आधार पर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण जरुरी- प्रो. ग्रिट

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के बुद्ध परिसर स्थित बृहस्पति सभागार में सांस्कृतिक और साहित्यिक परिषद द्वारा "उत्तर-पश्चिमी अर्जेंटीना में सांस्कृतिक प्रदर्शन और जातीय समूह" विषयक तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. ग्रिट कोएल्टज उपस्थित थी। औपचारिक अभिवादन प्रो. प्रसून दत्त सिंह, अध्यक्ष, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिषद ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. स्वेता मंच पर उपस्थित थी। समाजशास्त्र विभाग के पीएचडी शोधार्थी लोकेश पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला के संरक्षक प्रोफेसर प्रसून दत्त सिंह ने अपने व्याख्यान में विषय की पृष्ठभूमि और उसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सांस्कृतिक अध्ययन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह व्याख्यान हमारी सांस्कृतिक धरोहर को समझने और उसे संरक्षित करने के प्रयासों में सहायक सिद्ध होगा।

व्याख्यान में प्रो. ग्रिट ने अर्जेंटीना के विविध सांस्कृतिक धरोहरों और विभिन्न जातीय समूहों के पारंपरिक प्रदर्शन कला के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर ग्रिट ने अपने व्याख्यान में उत्तर-पश्चिम अर्जेंटीना की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं पर गहन चर्चा की। उन्होंने इस क्षेत्र के पारंपरिक नृत्य, संगीत और त्योहारों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता को उजागर किया। इसके साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र में निवास करने वाले विभिन्न जातीय समूहों के ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भों को भी समझाया। व्याख्यान में प्रोफेसर ग्रिट ने सांस्कृतिक पहचान और विरासत के संरक्षण के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार इन जातीय समूहों की सांस्कृतिक प्रथाएं समय के साथ बदलती रही हैं, लेकिन उनकी मूल पहचान आज भी जीवित है। डॉ. श्वेता ने भी अपने विचार साझा किए और कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल शैक्षिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से हमारी समझ को भी गहराई प्रदान करते हैं। डॉ. श्वेता ने सुझाव दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के व्याख्यान आयोजित किए जाएं, जिसमें अन्य देशों और क्षेत्रों की सांस्कृतिक धरोहरों पर भी चर्चा हो। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों के लिए सांस्कृतिक अध्ययन के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए, जिससे वे व्यावहारिक रूप से इन संस्कृतियों के अनुभव को समझ सकें। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विमलेश कुमार सिंह ने कहा कि यह व्याख्यान सभी श्रोताओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और जानकारी से परीपूर्ण है। उन्होंने इस प्रकार के और व्याख्यानों की आवश्यकता पर बल दिया, जो विभिन्न संस्कृतियों को समझने और उनके महत्व को पहचानने में मददगार साबित होते हैं। साथ ही उन्होंने "वसुधैव कुटुम्बकम" के अर्थ समझाने के साथ अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा कि सांस्कृतिक विविधता को अपनाने और सभी जातीय समूहों को एक परिवार के रूप में देखने की यह भावना, न केवल हमारे समाज को बल्कि वैश्विक समुदाय को भी एकजुट करने में सहायक है। कार्यशाला विभिन्न विभागों के शिक्षक डॉ श्याम कुमार झा, डॉ मनीषा रानी, डॉ अनुपम कुमार वर्मा, डॉ कुन्दन किशोर रजक, डॉ बब्लू पाल, डॉ सुजीत कुमार चौधरी, डॉ उमेश पात्रा, डॉ. उपमेश तलवार श्री अवनीश कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में अंकित, जय गुप्ता और कन्नू वैभव ने इस कार्यशाला से संबंधित प्रश्न भी पूछा, जिनका उत्तर प्रोफेसर ग्रिट ने देकर इस विषय पर और गहराई से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के पीएचडी शोधार्थी मनीष कुमार और निखिल पाण्डेय और धन्यवाद ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग की पीएचडी शोधार्थी राजश्री खिल्लर ने प्रस्तुत की।

चंपारण में रक्षाबंधन की रही धूम

- आम से लेकर खास लोगों ने बंधवाई राखी

बीएनएम। मोतिहारी

बहना ने भाई की कलाई पे प्यार बांधा है,प्यार के दो तार से संसार बांधा है..... जैसे गीतों के बीच सोमवार को चंपारण में रक्षाबंधन की धूम रही. आज दोपहर में जैसे ही शुभ मुहुर्त शुरु हुआ तो बहनें अपनी भाई को राखी बांधने के लिए निकली. बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांध उन्हें आशिर्वाद दिया जबकि बदले में भाईयों ने भी अपनी बहनों की सुरक्षा का संकल्प लिया. आज देर शाम तक राखी बांधने को लेकर भाईयों और बहनों का एक दूसरे के घर आने जाने का सिलसिला जारी रहा. पूर्वी चंपारण जिले में आम से लेकर खास लोगों ने परम्परागत हर्षोल्लास के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया. जिले में पूरे दिन रक्षाबंधन की धूम रही. रक्षाबंधन पर मिठाईयों और रंगबिरंगी राखियों की जमकर बिक्री हुई.

रक्षाबंधन पर बेटियों-बहनों की सुरक्षा का लें संकल्प : मनोज- जिला राजद के अध्यक्ष व कल्याणपुर के विधायक मनोज कुमार यादव ने कोटवा प्रखंड के जमुनिया गांव स्थित अपने पैतृक आवास पर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया.अपनी बड़ी बहन से राखी बंधवाने के बाद विधायक श्री यादव ने कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र सहित सभी जिले वासियों को रक्षाबंधन की बधाई दी. उन्होंने कहा कि जब तक हमारी बहनें सुरक्षित नहीं रहेगी तब तक हम सभ्य समाज का निर्माण नहीं कर सकते.

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने चंपारण वासियों को दी रक्षाबंधन की बधाई- जिला परिषद् की अध्यक्ष ममता राय के पति और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ई शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने भी जिला मुख्यालय मोतिहारी स्थित जिप अध्यक्ष आवास पर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया. उन्होंने चंपारण वासियों को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से रक्षाबंधन की बधाई भी दी. उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन हमारा परम्परागत त्योहार है जो हमें अपनी बहनों की सुरक्षा को लेकर प्रतिवर्ष सचेत करता है.

पूर्व जिप अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने अपनी बड़ी बहन से बंधवाई राखी- पूर्वी चंपारण जिला परिषद् एवं जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने जिले के हरसिद्धि स्थित अपने पैतृक आवास पर अपनी बड़ी बहन से राखी बंधवा कर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है. प्रत्येक वर्ष यह त्योहार हमें अपनी बहनों की सुरक्षा का संकल्प दिलाता है.

मोमिता देबनाथ गैंगरेप एवं हत्या के विरोध में कैंडल मार्च निकाला

केसरिया में कैंडल मार्च में शामिल लोग

बीएनएम। मोतिहारी

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में डॉ मोमिता देबनाथ की गैंगरेप के बाद निर्ममता पूर्वक की गई हत्या के खिलाफ बिहार में भी लोगों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है. इसी कड़ी में रविवार की शाम पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया में स्वास्थ्यकर्मियों,समाजसेवियों एवं युवाओं ने संयुक्त रुप से कैंडल मार्च निकाला. कैंडल मार्च में शामिल लोग मृतका को न्याय दिलाने, दोषियों को फांसी देने की मांग कर रहे थे.केसरिया मिड्ल स्कूल से निकला कैंडल मार्च पितांबर चौक होते हुए देवीगंज तक पहुंचा. कैंडल मार्च में शामिल महिला नेत्री रुपम मिश्रा ने मीडिया से बातचीत के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की. उन्होंने कहा कि अगर ममता बनर्जी इस्तीफा नहीं देती हैं तो केंद्र सरकार को उन्हें अविलंब बर्खास्त कर पश्चिम बंगाल में अविलंब राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहिए. कैंडल मार्च में ए एन एम श्रीकांती देवी, तनुजा कुमारी, छात्र नेता धनंजय कुमार, समाजसेवी संजय प्रसाद, युवा नेता ऋतुराज शर्मा एवं रवि जायसवाल सहित सैकड़ों लोग शामिल थे.

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

निरंकारी मिशन परमात्मा का साक्षात्कार कराता है :माता सुदिच्छा महाराज

बीएनएम। बगहा

संत निरंकारी मिशन दिल्ली 9 से सतगुरु माता सुदिच्छा महाराज के पूर्ण संदेश वाहक केंद्रीय प्रचारक कांता महेंद्रू पटना जोन नंबर 50 के पश्चिम चम्पारण जिला में 16 अगस्त से 18 अगस्त तक बेतिया, बगहा, वाल्मीकि नगर , नरकटियागंज और नवलपुर शाखा में निरंकारी सत्संग का आयोजन किया गया। इस मौके पर अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि निरंकारी मिशन परमात्मा का साक्षात्कार कराता है। उक्त आशय की जानकारी मीडिया सहायक सुनील कुमार उपाध्याय संत निरंकारी मिशन पश्चिम चम्पारण बिहार ने दी है। माता सदिच्छा ने अपने सम्बोधन में कहा है कि संसार में विश्वबंधु तत्व के स्थापना के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है I इंसान के बीच की दूरी मिटाता है। जात - पात , उच्च- नीच, छोटा-बड़ा, अमीर - गरीब कला-गोरा का भेद भाव मिटाता है। सारा संसार परमात्मा का ही रूप है। सारी सृष्टि परमात्मा के गोद में खेल रही है, उन्होंने तीन दिवसीय कार्यक्रम में करीब तीन हजार जिज्ञासु को परमात्मा का साक्षात्कार कराया उनके साथ आए कर्मयोगी संत जगत सिंह देहली मीना देवी और आशा

देवी आगरा ने अपने भजन भाव से श्रोता गण को खूब झूमा। बेतिया पश्चिम चम्पारण जिला के संयोजक भगवती प्रसाद ने आए हुए संत महात्मा का आभार प्रकट किया। सभी शाखा बेतिया, बगहा, वाल्मीकिनगर, नरकटियागंज और नवलपुर के मुखी मनोज ड्रॉलिया, धीरेन्द्र प्रसाद महतो, विपिन प्रसाद, कमलेश प्रसाद सभी ने अपने भाव प्रकट किया।

डॉ. मौमिता देवनाथ के इंसाफ के लिए पश्चिमी चंपारण के डॉक्टर सड़क पर उतरे

एकजुट डॉक्टर ने बोला कि जब तक इंसाफ नहीं मिलेगा तब तक हम लोग हड़ताल करेंगे एवं सड़क पर उतरकर चक्का जाम करेंगे

बीएनएम। बेतिया

डॉ. मौमिता देवनाथ के रेप मामला अब तुल पकड़ने लगा है।अब हर जिले की डॉक्टर रोड पर उतरने लगे हैं।इसी बीच पश्चिमी चंपारण मे डॉ शहनवाज हुसैन के नेतृत्व में डॉक्टर मौमिता देवनाथ के इंसाफ के लिए दर्जनों डॉक्टर रोड पर उतरे एवं बलात्कारियों को जल्द से जल्द गिरफ्तारी कर, फांसी देने की मांग किया।एकजुट डॉक्टर ने बोला कि जब तक इंसाफ नहीं मिलेगा तब तक हम लोग हड़ताल करेंगे एवं सड़क पर उतर कर चक्का जाम करेंगे। वही डॉ शहनवाज हुसैन ने बताया कि आयुष के सभी सरकारी और गैर सरकारी डॉक्टर मौमिता देवनाथ के इंसाफ के लिए हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। तब तक प्रदर्शन करते रहेंगे जब तक मौमिता देवनाथ के इंसाफ ना मिले। अगर इस पर सरकार तुरंत एक्शन नहीं लेती है तो हम लोग पूर्ण रूप से अस्पताल को बंद कर हड़ताल पर रहेंगे। मौके डॉक्टर इकराम, मुजुबुल रहमान, इस्तकार अहमद, वाहिद इकबाल, सुमित, राजेश, अमिर हसन जावेद, मिनहाज इत्यादि दर्जन से अधिक डॉक्टर मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रक्षाबंधन के अवसर पर दंगल आयोजित

बीएनएम। केसरिया: प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर रक्षाबंधन के अवसर पर सोमवार को महावीरी झंडा का आयोजन किया गया। इस दौरान दंगल भी आयोजित की गई। जहाँ विभिन्न राज्यों से आये महिला व पुरुष पहलवानों ने कुश्ती के दांव पेंच लगाए। पूर्वी सुन्दरापुर पंचायत के डिलिया बाजार पर आयोजित दंगल में करीब आधा दर्जन पहलवानों ने कुश्ती में एक दूसरे को पटखनी दी। इससे पहले दंगल का उद्घाटन मुखिया अजय कुमार यादव, बिजधरी थानाध्यक्ष राजीव कुमार, सरपंच अरुण यादव, देवालाल यादव सहित अन्य ने संयुक्त रूप से किया। वहीं इस अवसर पर ताजपुर पटखौलिया में विशाल महावीरी झंडा जुलूस निकाला गया। जुलूस ताजपुर पटखौलिया गाँव से प्रारंभ होकर लाला छपरा होते हुए मेला स्थल बोरिंग बाजार पहुँची। जहाँ कुश्ती का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य जगहों पर भी ऐसा आयोजन किया गया।

धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार, बहनों ने तिलक लगाकर भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

बीएनएम। पकड़ीदयाल। भाई बहन के अटूट स्नेह का पर्व रक्षाबंधन हर्ष उल्लास और परंपरा पूर्वक मनाया गया। हर वर्ष की तरह सावन पुर्णिमा की तिथि पर बहनों ने रक्षा सूत्र से भाइयों की कलाइयां सजाई। रेशम की डोरी के धागे भले ही कच्चे हो लेकिन इसके पीछे का स्नेह अटूट और बेहद मजबूत होता है। बहन - भाई के प्यार का प्रतीक इस त्योहार को लेकर घर घर में व्यापक तैयारियां की गई थी। सोमवार की सुबह लोग स्नान कर देवी देवताओं की पूजा अर्चना किया। इसके उपरांत बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सूत्र बांधकर जन्म - जन्म तक सूख दुख में साथ निभाने का वचन भाइयों से लिया। वही भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर हमेशा साथ निभाने का वादा किया। इस दौरान मुंह मीठा करने का दौर भी जारी रहा। घर के बड़े बुजुर्गो का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। दोपहर में अधिकांश बहनों ने भाई की कलाई पर राखी सजाई और उपहार पाकर अपनों के साथ खुशियां मनाई। इन्हीं भावनाओं के साथ सुबह से ही तैयारी कर रही बहनों ने भाइयों के हाथो में राखियां बांधी। भारत में रक्षाबंधन को लेकर पौराणिक और ऐतिहासिक परंपरा रही है।कहा जाता है कि असुर देवता संग्राम में इंद्र को उनकी पत्नी इंद्राणी ने अभिमंत्रित रेशम का धागा बांधा था जिसकी शक्ति से वो विजयी हुए।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने वृद्ध को रौंदा, मौत

बीएनएम:केसरिया। थाना क्षेत्र के त्रिलोकवा चौक पर अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने सोमवार को एक वृद्ध को रौंद डाला। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक त्रिलोकवा वार्ड संख्या चार का 70 वर्षीय मोतीलाल साग बताया जाता है। जानकारी के अनुसार मोतीलाल अपनी पत्नी के साथ त्रिलोकवा चौक स्थित मंदिर में पूजा करने गए थे। पत्नी पूजा करने लगी। इस दौरान मोतीलाल मंदिर के बाहर आकर खड़ा हो गए। इसी बीच साहेबगंज की तरफ से आ रही स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर मोतीलाल साह को रौंद डाली। जिससे घटनास्थल पर उनकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक स्कॉर्पियो को घटनास्थल पर छोड़ फरार हो गया। घटना की पुष्टि मुखियापति पप्पू सिंह ने की।

रक्षाबंधन के अवसर पर लगने वाला झंडा मेला शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न

- मेले के आंखाड़ो में परंपरागत अस्त्रों का होता है प्रदर्शन
- अखाड़ों व मेला स्थल पर पुलिस का था पुख्ता इंतजाम

बीएनएम। सुगौली

रक्षाबंधन के अवसर पर सुगौली में लगने वाला मेला शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया।नगर पंचायत के विभिन्न स्थानों से दर्जनों की संख्या में अखाड़े निकाले गये। अखाड़ों में परंपरागत अस्त्रों के साथ जूलूस निकाला जाता है जिसे क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से घुमाते हुए मुख्य बाजार चौक पर लाया जाता है। जहां विभिन्न परंपरागत अस्त्रों के परिचालन में महारथ हासिल किये हुए कुछ देर अस्त्र चालन के कला का प्रदर्शन करके देखने वालों को दांतों तले उंगलियां दबाने को मजबूर कर देते हैं। परंपरागत अस्त्रों में लाठी,भाला,बल्लम, तलवारबाजी इत्यादि से खिलाड़ी अपने कला का प्रदर्शन करते हैं।इस दौरान आंखाड़ो में देश के विभिन्न सामाजिक और सामयिक विषयों पर झांकियां निकाल कर लोगों को जागरूक और अवगत कराया जाता है। मुख्य बाजार चौक के बाद एक एक कर सभी अखाड़े महादेव मंदिर स्थित स्टेडियम में पहुंच कर जूलूस का समापन करते हैं।इस दौरान आंखाड़ो के आने जाने वाले रास्तों, मुख्य बाजार चौक तथा

शिवालय मंदिर स्थित स्टेडियम में पुलिस बलों की तैनाती की जाती है।साथ ही पुलिस की गाड़ियां लगातार गश्त लगाती रहतीं हैं।

समस्तीपुर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान का नौवां स्थापना दिवस मनाया गया

बीएनएम। समस्तीपुर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान अटारी क्षेत्र चार पटना का नया स्थापना दिवस आज 19 अगस्त को धूमधाम से मनाया गया ।आज के इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर आर के सामन्ता, पूर्व कुलपति विधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय कल्याणी पश्चिम बंगाल एवं अध्यक्ष डॉक्टर उधम सिंह गौतम उप महानिदेशक कृषि प्रसार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली थे।सर्वप्रथम अटारी क्षेत्र कर के निदेशक डॉक्टर अंजनी कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं अटारी के द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई।कार्यक्रम में डॉ पी एस पांडे कुलपति डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा, समस्तीपुर, डॉक्टर एस सी दुबे कुलपति बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची, डॉ विकास दास निदेशक राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर, डॉक्टर अनूप दास निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूर्वी क्षेत्र पटना, डॉक्टर अभिजीत कर निदेशक राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान रांची डॉक्टर के जी मंडल निदेशक महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान पूर्वी चंपारण एवं बिहार एवं झारखंड के अंतर्गत आने वाले सभी कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशक प्रसार शिक्षा ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के परिसर में इस कार्यक्रम को कृषि विज्ञान केंद्र के सभी कर्मियों एवं किसानो को सीधे तौर पर दिखाया गया और अटारी एवं कृषि विज्ञान केंद्र की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के हेड डॉक्टर आरके तिवारी इस मौके पर अटारी पटना के कार्यक्रम में मौजूद रहे।आज से ही वैज्ञानिक विधि से डेयरी फार्मिंग विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत भी की गई।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

प्राणवान प्रतिभाओं की खोज

प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए तदनुरूप योग्यता एवं कर्मनिष्ठा उत्पन्न करनी पड़ती है। साधन जुटाने पड़ते हैं। कठिनाइयों से जूझने, अड़चनों को निरस्त करने और मार्ग रोककर बैठे हुए अवरोधों को हटाने के लिए साहस, शौर्य और सूझबूझ का परिचय देना पड़ता है। जो कठिनाइयों से जूझ सकता है और प्रगति की दिशा में बढ़ चलने के साधन जुटा सकता है, उसी को प्रतिभावान कहते हैं। सामुदायिक सार्वजनिक क्षेत्र में सुव्यवस्था बनाने के लिए और भी अधिक प्रखरता चाहिए। यह विशाल क्षेत्र, आवश्यकताओं और गुत्थियों की दृष्टि से तो और भी बढ़ा-चढ़ा होता है। हीन वर्ग अपने साधनों के लिए, मार्गदर्शन के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। यह परजीवी वर्ग ही मनुष्यों में बहुलता के साथ पाया जाता है। अनुकरण और आश्रय ही उसका स्वभाव होता है। ऐसे लोग निजी निर्धारण कदाचित ही कभी कर पाते हैं। दूसरा वर्ग-समझदार होते हुए भी संकीर्ण स्वार्थपरता से घिरा रहता है। योग्यता और तत्परता जैसी विशेषताएं होते हुए भी ऐसे लोग अपने को लोभ, अहंकार की पूर्ति के लिए ही नियोजित किए रहते हैं। वे कृपणता और कायरता के दबाव में वे पुण्य-परमार्थ की बात सोच ही नहीं पाते। अवसर मिलने पर अनुचित कर बैठते हैं और महत्व न मिलने पर अनर्थ कर बैठते हैं। वे जैसे-तैसे जी लेते हैं, पर श्रेय सम्मान जैसी किसी मानवोचित्त उपलब्धि के साथ उनका संबंध नहीं जुड़ता। उन्हें जनसंख्या का घटक भर माना जाता है। तीसरा वर्ग प्रतिभाशालियों का है। ये भौतिक क्षेत्र में कार्यरत रहते हुए अनेक व्यवस्थाएं बनाते हैं। ये अनुशासन और अनुबंधों से बंधे रहते हैं।

संस्कृतोत्सव

डॉ. करुणा लक्ष्मी. के. एस.

भाषा एक संचार साधन के रूप में जन्म लेकर बढ़ती आयी है। हर एक भाषा का हजारों वर्ष का इतिहास देखने को मिलता है। दुनिया में हजारों भाषाएँ हैं, उनमें कई भाषाओं के लिए लिपि भी नहीं है, ऐसी भाषाएँ केवल संभाषण के रूप में चलती आयी हैं। संस्कृत अत्यंत प्राचीन भाषा मानी जाती है। यह भाषा देव के मुख से निकली देवभाषा, गीर्वाण भाषा कही जाती है। उसकी प्राचीनता के संबंध में काल निश्चित करना संभव न होने पर भी प्राप्त जानकारी के अनुसार पाश्चात्यों ने ई.पू. 1500 तक इसकी प्राचीनता का अंदाजा लगाया है। यह भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। यह मात्र प्राचीन ही नहीं, समृद्ध और वैज्ञानिक भी है और कई भाषाओं के लिए मातृस्वरूप है। हिंदी भाषा तथा कन्नड़, तेलुगु, मलयालम आदि क्षेत्रीय भाषाओं को समग्र रूप से जानने के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत पूरक है। अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के लिए उस भौगोलिक प्रदेश की पृष्ठभूमि रहती है। लेकिन संस्कृत ऐसी भौगोलिक सीमाओं से परे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर की भाषा भी है। उसमें निहित वेद, दर्शन, रामायण, महाभारत, शाकुंतल आदि ग्रंथ वैश्विक स्तर पर पूजनीय माने जाते हैं। इतना ही नहीं, संस्कृत भाषा से अनूदित साहित्य से क्षेत्रीय भाषाएँ समृद्ध हुई हैं।

संस्कृत भाषा और साहित्य ने विश्व को महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्कृत भाषा व साहित्य में कला और विज्ञान से संबंधित विशिष्ट बातों का उल्लेख है। सरल शब्दों में कला प्रतिभाप्रधान है। प्राचीन भारत में हर एक ज्ञान शाखा को और कला को ब्रह्मज्ञान पाने का पूरक मार्ग माना जाता था। कई संस्कृत ग्रंथों में कलाओं की संख्या 64 होने से और रामायण, महाभारत, पुराणादि ग्रंथ, वात्सायन कामसूत्र में भी 64 कलाओं का उल्लेख है। कंसवध के बाद सांदीपनी महर्षि के पास गुरुकुल में विद्या सीखने जाने पर श्री कृष्ण ने केवल 64 दिनों में 64 कलाएँ, 14 विद्याएँ सीखीं, ऐसा उल्लेख है। ऐसे ही काव्य, विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, न्यायालय के निर्णय, आयुर्वेद और प्रस्तुत समय में प्रसिद्ध संस्थाओं के ध्येयवाक्यों को भी संस्कृत में देख सकते हैं। संस्कृत और काव्य : कवि की कृति को 'काव्य' कहते हैं। लेकिन लिखने वाला हर कोई कवि नहीं कहलाता। लिखा हुआ सब कुछ काव्य नहीं हो सकता। कवियों में पुराने जन्मों और अब के जन्म के उत्तम संस्कार, श्रेष्ठ गुरुओं के पास अध्ययन, उदात्त लोगों का निरंतर मार्गदर्शन, प्रवास, हर दिन पठन, चिंतन आदि होने चाहिए। तब जाकर वह कवि, महाकवि बन सकता है। वाल्मीकी जी दुनिया के प्रथम कवि माने जाते हैं। उनके द्वारा संसार को समर्पित रामायण 'आदिकाव्य' नाम से प्रसिद्ध है। सांकेतिक रूप से पाँच और कृतियाँ संस्कृत में महाकाव्य के रूप में प्रसिद्ध हैं। वे हैं- महाकवि कालिदास विरचित रघुवंश और कुमारसंभव, भारवी द्वारा रचित किरातार्जुनीय, माघ का शिशुपालवध और श्री हर्ष विरचित नैषधीयचरित। विश्वप्रसिद्ध पंचतंत्र के रचयिता विष्णुशर्मा, समकालीन कवि नागपुर के डा. श्रीधरभास्कर वर्णेकर द्वारा विरचित शिवराज्योदयम, ज्ञानपीठ पुरस्कृत संस्कृत महाकवि डा. सत्यव्रतशास्त्री विरचित रामकीर्तिमहाकाव्यम, बृहत्तर भारतम ऐसे कई महाकाव्य उल्लेखयोग्य हैं। राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत मैसूर के विद्वान डा. एच,वी.नागराजराव जी भारत के सुप्रसिद्ध संस्कृत महाकवि हैं, जिनके द्वारा रचित दसों शतक प्रसिद्ध हैं। संस्कृत और विज्ञानः संस्कृतविज्ञान में अत्यंत बड़ी मात्रा में उपलब्ध खगोलशास्त्र की ज्ञानराशि हमारे प्राचीनकाल से हमारे साथ ही है। यह अवधि ई.पू.6000 ई के ऋग्वेद के मंत्र से लेकर 14 वें दशक के सायणाचार्य जी की व्याख्या तक पसरी हुई है। वेदकाल के बाद ख्यात ऋषिसदृश कई प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को हम देख सकते हैं। प्रमुख रूप से ईसा की 5 वीं सदी का आर्यभट, 7 वीं सदी का भास्कर-1, ईसा की 12 वीं सदी का भास्कर-2 आदि। ऐसा बताया जाता है कि सूर्यदेव के प्रकाश की किरणों की गति को 19वीं सदी के पाश्चात्य वैज्ञानिक मैखालसन और मार्ले नामक व्यक्तियों ने अन्वेषित किया। लेकिन प्राचीन भारत के वैज्ञानिक महर्षियों ने ई.पू. 6000 साल से पहले ही इसका अन्वेषण किया था, यह गर्व की बात है। संस्कृत और अर्थशास्त्रः अर्थशास्त्र अथर्ववेद का उपवेद है। यह राजनीति से संबंधित कई बातों की जानकारी देता है। आचार्य विष्णुगुप्त अर्थशास्त्र के प्रणेता है। चाणक्य, कौटिल्य, आदि उनके उपनाम हैं। जीवन निर्वाह के लिए जो आवश्यक है उसे कौटिल्य ने अर्थ कहा है। इस अर्थ के लाभ और संरक्षण के क्रम को अर्थशास्त्र विस्तृत रूप से जानकारी देता है। चाणक्य ने राज्य की रक्षा, किले, चार सांप्रदायिक विद्याएँ, चार राजकीय उपाय, छः प्रकार के विदेश नीति, मंडल व्यवस्था, राजा के दंडनाधिकार, मंत्रि परिषद की रचना, राजा द्वारा अपने पुत्र, पत्नी, बंधुओं की परीक्षा करने का विधान, राजा की मृत्यु पर मंत्री का कार्यभार, शत्रुओं का सामना करने के तंत्र, रक्षा के उपाय, गूढचर्या, विभिन्न विभागों के अध्यक्षों के कार्य, शिक्षा विधान आदि विचारों को कौटिल्य ने विस्तार से समझाया है। पहली बार कौटिल्य के अर्थशास्त्र ग्रंथ का संपादन करके मैसूर के रुद्रपट्टण के डा.आर. शामशास्त्री जी ने ग्रंथरूप में प्रकाशित किया। 1909 में इसे दुनिया में पहली बार मुद्रित करके प्रकाशित करने का गर्व मैसूर के प्राच्यविद्यासंशोधनालय का है। संस्कृत और गणित : एक समय था, जब गणित को संस्कृत भाषा में पढ़ाया जाता था। आज इसे सुनकर आश्चर्य होता है। किसी भी विषय को लय के द्वारा समझाने से मन को न केवल आह्लाद मिलता है, बल्कि वह ज्यादा समय तक मन में टिक भी जाता है, यह अनुभवजन्य सत्य है। इसलिए गणित जैसे कठिन विषय को भी लय, छन्दोबद्ध पदों के द्वारा न केवल सुस्पष्ट रूप से बल्कि सुलभ रीति से समझाया जाता था। हमारे स्कूलों-कालेजों में सिखाये जा रहे कई गणित प्रमेय पहले संस्कृत साहित्य में मौजूद थे, यह बात आज भी बहुत लोग नहीं जानते। इतिहास यह बताता है कि आज प्रौढशाला में सिखाया जानेवाला 'पैथागोरस प्रमेय' ईसा के 500 वर्षों से पहले ही अन्वेषित था। बताया जाता है कि उससे भी पहले ई.पू.600 सालों से पूर्व इस प्रमेय को संस्कृत के शुल्बसूत्रों में बताया गया था। शुल्ब सूत्र अपस्तंब, बोधायन, मानन, कात्यायन आदि पंडितों द्वारा बताया गया था। विज्ञान को न्यूटन से कई शतक पहले हमारे यहाँ प्रतिपादित करनेवाले थे द्वितीय भास्कराचार्य, जिनको हम कैल्कुलस के पितामह कह सकते हैं। त्रिकोन मति के विकास के लिए कारणीभूत प्रथम आर्यभट, द्वितीय आर्यभट, ब्रह्मगुप्त तथा माधव आदि का स्मरण करना अत्यंत आवश्यक है। संस्कृत और न्यायालयः आज न्यायालयों में कई संदर्भों में वकालत करते समय साक्षी को महत्व दिया जाता है। हर कोई भरोसेमंद साक्षी नहीं बन सकता। उसके लिए कई मानदण्ड हैं। जो साक्षी देता है, उसे सत्य ही बोलना है, वह भरोसेमंद व्यक्ति होना चाहिए, आत्मविश्वासी होना चाहिए, निर्भीत होना चाहिए ऐसे गुणों का उल्लेख किया जा सकता है। इसे कई हजार साल पहले हमारे संस्कृत ग्रन्थों में स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया गया है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। याज्ञवल्क्य स्मृति में आनेवाले व्यवहाराध्याय में साक्षी के गुणधर्मों की विवेचना की गई है। इतना ही नहीं, याज्ञवल्क्य स्मृति के प्रसिद्ध व्याख्याता विज्ञानेश्वर लिखित मिताक्षर नामक ग्रंथ का अनुसरण करके ही सर्वोच्च न्यायालय में कई निर्णय प्रकट होते हैं, यह ध्यान देने योग्य बात है। संस्कृत और आयुर्वेद : आयुर्वेद मात्र भारतीयों को नहीं, विदेशियों को भी अपनी ओर खींचनेवाली विशिष्ट पद्धति है। आयु यानी आयुष्य, वेद यानी विज्ञान। अपनी संपूर्ण जीवतावधि को स्वस्थ होकर बिताने के लिए पालन किए जानेवाले विधानों के निरूपण के बारे में आयुर्वेद में महत्व दिया गया है। कई हजार साल पहले भूमि पर लोगों में रोग दिखाई देने पर ऋषिमुनिगण भगवान की शरण में जाते हैं। बताया जाता है कि तब ब्रह्मदेव ने आयुर्वेद शास्त्र का विवरण दिया। गुरु शिष्य परंपरा में कई ऋषियों ने इसके बारे में अध्ययन करके ग्रंथों की रचना की है। चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, वाग्भट के ग्रंथ, प्राचीन तथा प्रमुख आयुर्वेद विज्ञान के ग्रंथ माने जाते हैं। आयुर्वेद ग्रंथों की रचना संस्कृत में हुई है। संस्कृत से विविध भाषाओं में अनूदित ग्रंथ अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। भाषांतर ग्रंथों से आयुर्वेद का परिचय मिलता है, फिर भी विषय के यथावत ग्रहण के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। संस्कृत और पत्रिकाः 'सुधर्मा' संस्कृत की एकमात्र दिन पत्रिका है। 1970 के जुलाई 15 को पंडित के.एन.वरदराज अय्यंगार जी ने मैसूर के श्रीमन्महाराजा संस्कृत पाठशाला की श्री गणपति सन्निधि में पत्रिका आरंभ की। वे खुद उस पत्रिका के संपादक तथा प्रकाशक थे। वे सतत 20 साल संस्कृत पत्रिका का प्रकाशन करके भाषा प्रेमियों की प्रशंसा के पात्र बने। तब पत्रिका का मूल्य मात्र पाँच पैसे थे। इतना ही नहीं, 1976 में केंद्र सरकार ने आकाशवाणी में संस्कृतवार्ता का प्रसारण आरंभ किया। इसके कारणीभूत थे श्री वरदराज अय्यंगार्।

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।
होरेस

शुरुआत करने का तरीका है, कि बातें बंद करें और काम शुरू करें।
वाल्ट डिज्नी

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि प्रतिपदा, भौमवासरे, घनिष्ठा नक्षत्रे, अतिगंड योगे, कौलव करणे, कुंभ की चंद्रमा, श्री नारायण गुरुदेव जन्म दिवस तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल तथा स्वभिमानी, जिद्दी-हठी, यागी-भोगी, उत्तमवृत्ति वाला, कुशल वाहन चालक, धनी-मानी, वाहन से सुखी, वाहन वाला होगा।

मेष राशि :- धन का व्यय, मानसिक अशांति एवं कष्ट, मन विक्षुब्ध रहे, विलम्ब से रुके कार्य बनेंगे।

वृष राशि :- चिन्ताग्रस्त होने से बचें, व्यावसायिक क्षमता अनुकूल अवश्य ही बनेगी, प्रयत्न करते रहें।

मिथुन राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति, असमर्थता का वातावरण कष्टप्रद होगा, ध्यान अवश्य दें।

कर्क राशि :- किसी प्रलोभन से बचें अन्यथा परेशानी में फंस सकते हैं, समय का ध्यान अवश्य रखें।

सिंह राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति, असमर्थता का वातावरण कष्टप्रद होगा, विचार कर आगे बढ़ें।

कन्या राशि :- विवादग्रस्त होने की संभावना है, सोचे हुये कार्य समय पर होंगे, सुख प्राप्ति के योग हैं।

तुला राशि :- कुटुम्ब की समस्यायें सुलझें, कार्यगति में सुधार, कार्ययोजना फलीभूत अवश्य ही होगी।

वृश्चिक राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, व्यावसायिक वृद्धि अवश्य होगी।

धनु राशि :- अधिकारियों से तनाव, मित्र वर्ग से उपेक्षा से मन अशांत तथा कार्य में बाधा अवश्य ही होगी।

मकर राशि :- मान-प्रतिष्ठा में आंच आने का समय व भय होगा, कार्यगति में बाधा होगी, ध्यान दें।

कुंभ राशि :- किसी घटना का शिकार होने से बचें, चोटादि का भय अवश्य ही बनेगा, ध्यान दें।

मीन राशि :- स्त्री-वर्ग से हर्ष, सुख मिले, बिगड़े कार्य बनेंगे, समय का लाभ लेवें, कार्य बन ही जायेंगे।

ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है अक्षय ऊर्जा

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस भी मनाया जाता है। आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज की 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार तीन वर्षों में सौर ऊर्जा के लिए करीब नब्बे फीसदी उपकरण आयात किए गए, जिस कारण बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ जाती है। देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर तेजी से बढ़ रहा है। देश में साढ़े तीन लाख मेगावॉट से भी अधिक बिजली का उत्पादन किया जा रहा है लेकिन यह हमारी कुल मांग से करीब ढ़ाई फीसदी कम है। भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम मंत्रालय द्वारा प्रकाशित 20वीं ऊर्जा सांख्यिकी रिपोर्ट में बताया गया था कि वर्ष 2011-12 से 2016-17 के बीच प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत 3.54 प्रतिशत बढ़ गई। वर्ष 2005-06 से 2018-19 के दौरान प्रति व्यक्ति बिजली उपभोग में करीब दो गुना वृद्धि दर्ज की गई। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 1150 किलोवाट से भी अधिक बिजली का उपभोग किया जाता है। इसका एक अहम कारण देश में तेजी से बढ़ती जनसंख्या भी है। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का करीब 58 फीसदी उपभोग किया जाता है। औद्योगिक क्षेत्र के अलावा कृषि क्षेत्र तथा घरेलू कार्यों में भी ऊर्जा की मांग और खपत पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति ऊर्जा उत्सर्जन 4 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यामान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन का उपयोग किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है।

सरकार बनाने और गिराने में पूंजीपतियों की भूमिका

सनत जैन

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों में पूंजीपतियों की भूमिका काफी बढ़ गई है। निर्वाचित सांसद और विधायकों की खरीद-फरोख्त करके सरकार बनाने और बिगाड़ने का खेल पूंजीपति, राजनेताओं के साथ खेल रहे हैं। जब किसी भी राज्य में 10-15 विधायक बहुमत के लिए कम होते हैं। वहां पर पूंजीपतियों और राजनेताओं का यह खेल बड़ी आसानी के साथ हो जाता है। विधायकों को वर्ष 2000 के आसपास 1 से 2 करोड़ रुपया देकर विधायक खरीदने के आरोप लगते थे। दलबदल से बहुमत से सरकार बना ली जाती थी। जो उद्योगपति इसमें पैसा लगता था, उसके काम सरकार में प्राथमिकता से हो जाते थे। जब छोटे राज्य बनना शुरू हुए, उसके बाद से यह बीमारी लगातार बढ़ती ही चली गई। पहले उद्योगपति चुनाव के लिए राजनीतिक दलों को चंदा देते थे। जिस राजनीतिक दल की जो हैसियत होती थी। उसे उसके अनुसार उद्योगपति चंदा दे देते थे। चंदे के कारण राजनीतिक दलों के राजनेताओं के संबंध पूंजीपतियों से बेहतर होते थे। इस समय सरकार की नीतियों के विरुद्ध या विचारधारा को लेकर राजनीतिक दल कोई समझौता नहीं करते थे। जिसके कारण 1990 तक भारतीय राजनीति में राजनीतिक दलों की विचारधारा के आधार पर सांसदों और विधायकों का चुनाव होता था। जब छोटा राज्य बनना शुरू हुए, उसके बाद से पूंजीपतियों का सरकार बनाने और बिगाड़ने में नया खेल शुरू हो गया। 1989 के बाद केंद्र में कभी भी पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बनी। हमेशा जोड़-तोड़ करके 2014 तक सरकारें बनती और बिगड़ती रही हैं। 1990 के बाद केंद्र एवं राज्यों में सांसदों और विधायकों की खरीद फरोख्त में पूंजीपति घरानो का दबदबा बढ़ता चला गया। पूंजीपतियों की सहायता से पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंहराव, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सरकार को स्थिर बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों को सांसद उपलब्ध कराने का काम पूंजीपति करते रहे हैं। 1990 के बाद रिलायंस समूह का उत्थान शुरू हुआ। धीरूभाई अंबानी ने प्रमोद महाजन को अपना तीसरा बेटा बताया। टेलीकॉम के क्षेत्र में प्रमोद महाजन की विशेष कृपा किसके साथ रही है। यह सारा देश जानता है। शेयर बाजार का हर्षद मेहता का घोटाला भी सभी को याद है। नरसिंहराव को अपनी सरकार बचाए रखने के लिए किसने अटैची से पैसे भेजे थे, उस समय यह भी बड़ा चर्चित आरोप रहा। राजनीतिक दलों की विचारधारा नेपथ्य में चली गई। बहुमत पाने के लिए संख्या बल महत्वपूर्ण हो गया। राज्यों में भी कुछ इसी तरह की स्थिति बनने और बिगड़ने लगी थी। 2014 के बाद केंद्र में पूर्ण बहुमत की मोदी सरकार 25 वर्ष बाद आई। उसके बाद राज्यों में उथल-पुथल शुरू हुई। पहले सरकारों को गिराने के लिए राष्ट्रपति शासन का उपयोग किया जाता था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जब यह संभव नहीं रहा। उसके बाद विधायकों की खरीद-फरोख्त करके राज्य सरकारों को अस्थिर कर नई सरकार का गठन हुआ। निर्वाचित प्रतिनिधियों को चुनाव जीतने के बाद बड़ी संख्या में दल-बदल कराकर राज्यों में सरकार बनाने का नया प्रयोग भारत में शुरू हुआ। जो अभी भी चल रहा है। इस प्रयोग में विधायकों को 5 करोड रुपए से लेकर 25-50 करोड रुपए तक देकर दल-बदल करने के आरोप समय-समय पर लगते रहे हैं। अब किसी भी राज्य सरकार को 100-200 करोड रुपए खर्च करके गिराया और बनाया जा सकता है। विचारधारा के आधार पर मतदाता अपना प्रतिनिधि चुनते हैं। वह राजनीतिक दल के पक्ष में मतदान करते हैं। जब चुनाव परिणाम आ जाते हैं, उसके बाद निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी कीमत वसूल कर किसी भी दल में चले जाते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा पूंजीपति ही उठा रहे हैं। जब किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है।

2014 तक यह बीमारी ला इलाज नहीं हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में यह बीमारी कैंसर की तरह बड़ी तेजी के साथ फैल रही है। इसमें पूंजीपतियों की भूमिका भी अहम हो गई है। पिछले कुछ माह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रोल बांड के बारे में जो फैसला दिया था। उसके बाद जो जानकारी सामने निकल कर आई है। वह आश्चर्यचकित करने वाली है। पूंजीपतियों द्वारा बड़ी मात्रा में राजनीतिक दलों को चंदा दिया गया। केंद्र में और राज्यों में जिन राजनीतिक दलों की सरकार थी। उन्हें सबसे ज्यादा चंदा इलेक्ट्रोरल बाण्ड मिला। ठेके और लाइसेंस भी उन्हें मिले, जिन्होंने राजनीतिक दलों को इलेक्ट्रोल बांड के जरिए चंदा दिया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह सच सामने आया। पिछले 10 सालों में जिस तरह से पूंजीपतियों की संपत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। गरीब और गरीब होता जा रहा है। एक तरह से भारत में भी पूंजीवादी देशों की तरह पूंजीपतियों के लिए नीतियां तैयार की जा रही हैं। उसके कारण अब केंद्र एवं राज्य सरकारों के खिलाफ जनता की नाराजी स्पष्ट रूप से सामने दिखने लगी है। यदि यही हाल आगे भी रहा, तो इसके भीषण परिणाम जल्द ही देखने को मिल सकते हैं। भारत में महंगाई और बेरोजगारी दिनों-दिन बढ़ रही है। केंद्र, राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा आम नागरिकों के ऊपर टैक्स और शुल्क का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। गरीबों और मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा टैक्स देना पड़ रहा है।गरीब एवं मध्यम वर्ग की बचत खत्म हो गई है। उल्टे यह वर्ग कर्ज में आ गया है। देश में आत्महत्या के बड़े पैमाने में हो रही है। करोणों उच्च शिक्षित युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। सपने बहुत दिखाये गये। सपनों से भूख एवं न्यूनतम जरुरतें पूरी नहीं हो रही है। उच्चवर्ग अपनी रहीसी और ऐश्वर्य आराम के प्रदर्शन से निम्न एवं युवावर्ग को चिढ़ाने का काम कर रहा है। वर्तमान स्थिति में लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है, यह स्थिति चिंताजनक है।

केसरिया होने को उतावले हैं हमारे चम्पई

राकेश अचल

सावन-भादों में सब दूर हरा ही हरा होता है लेकिन झारखंड में चम्पई बाबू केसरिया कहिये या भगवा होने के लिए उतावले है। जैसे खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है वैसे ही फूल को देखकर फूल भी रंग बदलने को मचलने लगता है। चम्पई एक रंग है और इसे चम्पा फूल का रंग भी माना जाता है। चम्पई अर्थात हल्की ज़रदी या सुनहरापन लिए हुए रंग। झारखंड राजनीति भी आजकल चम्पई के इर्द-गिर्द घूम रही है। आपको याद है न चम्पई जी झारखण्ड के कामचलाऊ मुख्यमंत्री बनाये गए थे।

चम्पई कहें या चम्पाई कोई फर्क नहीं पड़ता । वे झारखंड की राजनीति के फकीर है। पांच बार के विधायक और षटमासा मुख्यमंत्री भी है। उन्हें राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जमानत पर रिहा होते ही मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा। बस यहीं से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की सियासत में खटाई पड़ गयी और व्यथित चम्पाई सोरेन को भाजपा ने अपने जाल में फंसाने की मुहीम शुरू कर दी। भाजपा ने पहले हेमंत सोरेन को जेल भेजकर झारखंड हथियाने के लिए आपरेशन लोटस चलाया था लेकिन आपरेशन नाकाम हो गया । खुद चम्पाई सोरेन जी ने इसे नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन अब वे ही चम्पाई सोरेन एक बार फिर झारखंड की राजनीति के बिभीषण बनने पर आमादा हैं।

वरिष्ठता के लिहाज से चम्पाई सोरेन कम नहीं है। पांच बार के विधायक है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने शिबू सोरेन के साथ मिलकर राजनीति में काम किया है। सरायकेला विधानसभा क्षेत्र के इस फकीर ने 1995 में पहली बार 11वीं बिहार विधानसभा में पैर रखा था । 2000 में झारखण्ड अलग राज्य बनने के बाद, वह 2005 , 2009 2014 ,और 2019 में पांचवीं झारखंड विधानसभा में सरायकेला से विधायक बने । उन्हें उनकी वरिष्ठता के आधार पर ,तीन मर्तबा केबिनेट मंत्री भी बनाया गया लेकिन वे परिवारवाद की राजनीति के चलते राज्य के मुख्यमंत्री नहीं बन सके । मुख्यमंत्री बनने का उनका सपना 2 फरवरी 2024 को तब पूरा हुआ ,जब 31 जनवरी 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी हो गयी। उन्हें हेमंत की गिरफ्तारी के बाद काम चलाऊ मुख्यमंत्री बनाया गया ,लेकिन 4 जुलाई 2024 को हेमंत की रिहाई के बाद उन्हें अपना राज-पाट छोड़ना पड़ा । यहीं से उनका मन खट्टा हो गया।

झमुमो के इस फकीर के मन में पड़ी खटास को देखते ही भाजपा ने एक बार फिर आपरेशन लोटस शुरू किया और चम्पाई पर डोरे डालने शुरू कर दिए।

कहते हैं कि अब चम्पाई बाबू बागी हो चुके हैं और अपने कथित अपमान का बदला लेने के लिए वे भाजपा से हाथ मिलाने के लिए उतावले हैं। खबर है की चंपई शनिवार को कोलकाता पहुंचे और फिर रविवार दोपहर दिल्ली। माना जा रहा है कि बीजेपी के कुछ सीनियर नेताओं से उनकी फोन पर भी बातचीत हुई और जल्द ही आमने-सामने की मीटिंग भी हो सकती है। चंपई सोरेन का दिल्ली में तीन दिन रहने का प्लान है। चंपई सोरेन के अलावा जेएमएम के 5-6 और विधायकों के भी अलग से बीजेपी के संपर्क में होने की चर्चा चल रही है। रिवायत के अनुसार झामुमो नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के रविवार को दिल्ली आने के बाद कई तरह की अटकलें थीं। इसी बीच चंपई सोरेन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X के बायो से अपनी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा का नाम हटा दिया है। अब चंपई सोरेन के नए बायो पर सिर्फ झारखंड पूर्व सीएम लिखा हुआ है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के पुराने 4 दशकों से सिपहसलार और लेफ्टिनेंट चंपई सोरेन का अपने ही पार्टी से मोहभंग हो गया। उन्होंने जेएमएम पर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए अपनी राहें जुदा करने का इरादा स्पष्ट कर दिया है। सोरेन ने कहा है कि आगे का हमसफर चुनने के लिए उनके तमाम विकल्प खुले हुए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन का आरोप है कि उन्हें बेआबरू करके सत्ता से बेदखल कर दिया गया था. उनके तमाम अधिकार अपनी ही पार्टी और हेमंत सोरेन के करीबियों के द्वारा फ्रीज कर दिए गए थे।बगैर एजेंडा बताए विधायक दल की बैठक बुलाकर इस्तीफा देने का आदेश पारित कर दिया गया था. तमाम कार्यक्रम में जाने पर तीन दिनों तक रोक लगा दी गई थी, लिहाजा उन्होंने तय कर लिया था या तो वो संन्यास ले लेंगे, या फिर समानांतर संगठन खड़ा करेंगे या फिर कोई साथ चलने के लिए हमसफर चुन लेंगे। यानी पार्टीपार्टी छोड़ने की अनौपचारिक घोषणा वो कर चुके हैं। आपको बता दें कि इससे पहले भाजपा बिहार में नीतीश कुमार के जरिये सत्ता में शामिल हो चुकी है। भाजपा बिभीषणों के जरिये 2020 में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार को हजम कर चुकी है। भाजपा को इस खेल में महारत हासिल है ,लेकिन अभी तक दिल्ली और झारखण्ड में उसकी चालें कामयाब नहीं हो पायी थीं। भाजपा हरियाणा और जम्मू-कश्मीर हाथ से जाने के पहले झारखंड को अपनी मुठ्ठी में करना चाहती है। ऐसा हो पायेगा या चम्पाई सोरेन ऍन मौके पर द्रवित हो जायेंगे,कहना कठिन है क्योंकि -कुर्सी महा ठगिनी हम जानी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पायलट कैसे बने पूरी जानकारी यहां देखें

पायलट बनना बहुत से युवाओं का सपना होता है और इस सपने को पूरा करनें के लिए सच्ची मेहनत और लगन के साथ बहुत अधिक परिश्रम की आवश्यकता होती है, पायलट वह व्यक्ति होता है, जिसके द्वारा वायुयान संचालित किया जाता है, वायुयान में मुख्य पायलट के साथ अन्य सहायक पायलट भी होते है, जो विमान चलाने में सहायता करते है, यह कार्य बहुत ही जिम्मेदारी का होता है, इसलिए पायलट को मानसिक और शारीरिक रूप से बिलकुल स्वास्थ्य होना चाहिए, अगर आप भी एक पायलट बनना चाहते है तो पायलट कैसे बने पूरी जानकारी योग्यता, तैयारी कैसे कारण सिलेबस क्या होता है सम्पूर्ण जानकारी आपको नीचे विस्तार से बताई गई है.

शैक्षणिक योग्यता

- आप पायलट बननें के लिए 12वीं मैथ, फिजिक्स, केमिस्ट्री विषय से पास करने के बाद इस प्रक्रिया में सम्मिलित होकर पायलट बन सकते है.

व्यक्तिगत योग्यता

- पायलट बनने के लिए अभ्यर्थी की आँखों की रोशनी बहुत ही अच्छी होनी चाहिए और आपका मोटर स्किल्स कॉर्डिनेशन भी बहुत ही अच्छा होना चाहिए।
- एक सफल पायलट बनने के लिए उसका मानसिक और शारीरिक रूप से बिलकुल स्वस्थ होना बहुत जरुरी है.
- फ्लाइंग के लिए आपके अंदर उत्साह होना चाहिए।
- पायलट बनने के लिए आवश्यक लाइसेंस है

छात्र पायलट कैसे बने

- छात्र पायलट प्रमाण पत्र के लिए पात्र होने के लिए, आपको कम से कम 16 वर्ष का होना चाहिए और संघीय विमानन विनियमन (एफएआर) भाग 61.83 के लिए आवश्यक अंग्रेजी को पढ़ने, बोलने, लिखने और समझने का अच्छा ज्ञान होना आवश्यक है.

निजी पायलट कैसे बने

- निजी पायलट बनने के लिए आवेदक की आयु कम से कम 17 वर्ष होनी चाहिए और प्रति FAR भाग 61.103 प्रति अंग्रेजी पढ़ने, बोलने, लिखने और समझने में का अच्छा ज्ञान होना चाहिए ।इसके अतिरिक्त, आपको संघीय विमानन नियमों के अनुसार जरूरी आवश्यक जमीन और उड़ान प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना होगा।

वाणिज्यिक पायलट और उड़ान प्रशिक्षक

- वाणिज्यिक पायलट और उड़ान प्रशिक्षक आवेदकों की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए और अभ्यर्थी को अंग्रेजी को पढ़ने, बोलने, लिखने और समझने का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

एयरलाइन परिवहन पायलट

- अधिकांश एटीपी आवेदकों की आयु 23 वर्ष होनी चाहिए, लेकिन कुछ पायलट 21 साल की उम्र में प्रतिबंधित एटीपी प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं.

फ्लाइट ट्रेनिंग के लिए प्रशिक्षण

- प्रत्येक पायलट प्रमाणपत्र या रेटिंग में आम तौर पर ग्राउंड स्कूल और उड़ान प्रशिक्षण दोनों का एक सम्मिलित किया जाता है, इसके अंतर्गत छात्रों को एफएए लिखित परीक्षा और एफएए प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए तैयार किया जाता है.
- ग्राउंड स्कूल में विभिन्न विधियों के द्वारा पाठ्यक्रम पूरा किया जाता है, बड़े फ्लाइट स्कूलों में ग्राउंड स्कूल प्रशिक्षण अक्सर कक्षा सेटिंग में आयोजित किया जाता है, कभी-कभी ग्राउंड स्कूल एक कंप्यूटर-आधारित पाठ्यक्रम या ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से एक उड़ान प्रशिक्षक के साथ आयोजित किया जाता है.
- एक प्रतिष्ठित फ्लाइट ट्रेनिंग स्कूल में एफएए लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रों को सभी आवश्यक सामग्री को शामिल किया जाता है, इसमें लिखित परीक्षा के लिए आवश्यक प्रशिक्षक साइन-ऑफ शामिल रहता है, इस प्रशिक्षण के अंतर्गत छोटे से उड़ान स्कूल,फिक्स्ड आधारित ऑपरेटर (एफबीओ), पीईए जैसे बड़े उड़ान स्कूल के साथ प्रशिक्षण को सम्मिलित किया जाता है.
- पीईए जैसे मान्यता प्राप्त स्कूल में उड़ान प्रशिक्षण आयोजित करने से कई प्रकार के लाभ है, इन लाभ के अंतर्गत आपको अच्छे प्रशिक्षकों और विमानों के साथ लगातार उड़ानों का लाभ प्राप्त होता है.

वेतन

- मुख्य पायलट को 4,00,000 से 5,00,000 रुपये प्रतिमाह प्राप्त होता है और सह-पायलटों को 2,25,000 से लेकर 3,25,000 रुपये प्रति माह तक का वेतन आसानी से प्राप्त हो जाता है.

पर्यटन क्षेत्र में करियर कैसे बनाये

पर्यटन एक ऐसी यात्रा है, जिसका उद्देश्य मनोरंजन या आराम के क्षणों का आनंद लेना होता है, विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार, पर्यटक वे लोग हैं जो यात्रा करके अपने सामान्य वातावरण से बाहर के स्थानों में रहने जाते हैं, इसकी अवधि अधिकतम एक वर्ष होती है, पर्यटन भारत में तेजी से बढ़ रहा है, इस समय भारत में विदेशों से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे है, इन अवसरों के माध्यम से भारत में आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिल रहा है, पर्यटन क्षेत्र में करियर कैसे बनाये ? आपको इस पोस्ट में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी तो आप इस पोस्ट को आखिर तक जरूर पढ़ें।

टूर ऑपरेटर्स के रूप में करियर

टूरिस्ट गाइड का कोर्स करने के पश्चात आप एक टूर ऑपरेटर्स का काम कर सकते है, इसमें आपको पर्यटन स्थलों में टूर का संचालन और उसे मैनेज करने का कार्य करना होता है.

टूरिज्म विभाग

इस विभाग में आपको रिजर्वेशन ऐंड काउंटर स्टाफ, सेल्स ऐंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर प्लानर्स, टूर गाइडेंस के रूप में कार्य करना होता है, यह जॉब आपको सरकारी टूरिज्म विभाग की तरफ से ऑफर की जाती हैं, इसमें जॉब संघ लोक सेवा आयोग या स्स्ष्ट (स्टाफ सलेक्शन कमीशन) की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्राप्त कर सकते है.

एयरलाइंस

यह ट्रेवॅल ऐंड टूरिज्म इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण भाग है, इस क्षेत्र में अभ्यर्थी को टूरिज्म के अलावा होटल मैनेजमेंट का कोर्स भी कराया जाता है, जिसके बाद आप इसमें प्रवेश प्राप्त कर सकते है.

ट्रेवॅल एजेंसीज

अगर आपकी कम्युनिकेशन स्किल ठीक है, तो आप अपने ग्राहक को यात्रा के विषय में सारे विकल्पों को सही से समझा कर उनको सेवा प्रदान कर सकते है, आपको यह ध्यान रखना होगा कि आपकी सेवा के माध्यम से ग्राहक को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो.

ट्रैवल एंड टूरिज्म के महत्वपूर्ण कोर्स

- फाउंडेशन एंड कंसल्टेंट कोर्स इन टूरिज्म लैंग्वेज
- ग्रेजुएट इंटिग्रेटेड कोर्स इन टूरिज्म
- बैचलर इन टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन
- डिप्लोमा इन टूरिज्म मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन टूरिज्म एंड डेस्टिनेशन
- मास्टर इन टूरिज्म
- पीजी डिप्लोमा इन ट्रैवल मैनेजमेंट
- सर्टिफिकेट कोर्स ऑन एयरलाइंस टिकटिंग एंड टूर प्लानिंग

होटल क्षेत्र में करियर

ट्रेवॅल ऐंड टूरिज्म इंडस्ट्री के साथ होटल बिजनेस जुड़ा हुआ है, इसी कारण दोनों का विकास साथ-साथ होता है, इस समय ट्रेवॅल ऐंड टूरिज्म इंडस्ट्री के कारण इस क्षेत्र में बहुत तेजी से विकास हुआ है, इसमें जॉब प्राप्त करने के लिए आपको होटल मैनेजमेंट का कोर्स करना होगा, जिसके बाद इसमें बहुत सी संभावनाएं हैं.

कोर्स की फीस

इस क्षेत्र में आप स्नातक कोर्स में प्रवेश करने के लिए प्रति वर्ष 10 से 25 हजार रुपए के लगभग खर्च हो सकते है, इसमें आप सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर सकते है.

पर्यटन क्षेत्र में इस क्षेत्र में सफल होने के लिए योग्यता

आपको विदेशी भाषाओं के विषय में अच्छी जानकारी होनी चाहिए, इसमें हिंदी और अंग्रेजी प्रमुख है, इसके आलावा आपको विश्व की संस्कृति और रीति-रिवाजों का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

इंटरव्यू के दौरान आपका फर्स्ट इम्प्रेशन ही दिलाता है सफलता, इन बातों का रखें ध्यान

इंटरव्यू का पहला इंप्रेशन अगर आपका अच्छा गया है तो यह आपको आसानी से नौकरी दिला सकता है। कई बार हम बड़ी कंपनी में इंटरव्यू के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं। ऐसे में अच्छी नौकरी हमारे हाथ से निकल जाती है। अगर आप भी जॉब के इंटरव्यू की तैयारी में लगे है तो इंटरव्यू को दौरान कुछ बातों का रखें खास ख्याल।

इंटरव्यू में केवल आपकी शिक्षा ही नहीं बल्कि आपके बोलचाल का तरीका भी देखा जाता है। ऐसे में कई बार आप सभी सवालों का सही जवाब देते है इसके बावजूद भी आपकी नौकरी नही लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कई बार सामने वाला आपके काम के साथ ही आपकी बॉडी लैंग्वेज भी नोटिस करता है। ऐसे में आपको इंटरव्यू के समय इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

कपड़ो का रखें खास ख्याल

अगर आप जॉब इंटरव्यू के लिए जा रही हैं तो आपको कपड़ो का खास ख्याल रखना चाहिए। कोशिश करें की आप फॉर्मल कपड़े ही पहने। ऐसा करने से भी आपका फर्स्ट इम्प्रेशन काफी अच्छा जाएंगा। ज्यादा तड़क-भड़क रंग के कपड़ों को इंटरव्यू में पहनने से हमेशा ही बचना चाहिए।

बॉडी लैंग्वेज का रखें खास ख्याल

बॉडी लैंग्वेज यानी हाव-भाव एक तरह की शारीरिक भाषा है। जो व्यक्ति आपका इंटरव्यू ले रहा है वह आपके बॉडी लैंग्वेज पर खास ध्यान देता है। कई कंपनियां स्किल्स के साथ ही कैंडिडेट के उठने-बैठने के अंदाज और बातचीत करने के तरीके को ध्यान में रखते हुए भी उन्हें शॉर्टलिस्ट करती हैं। ऐसे में आपको इसका खास ख्याल रखना है।

आई कॉन्टैक्ट से बनेगा खेल

आपसे जब किसी भी तरीके का सवाल पूछा जाएं तो आई कॉन्टैक्ट करके जवाब दें। ऐसा करने से भी आपको जॉब आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप इधर-उधर देखते हुए जवाब देंगे तो इससे आपके कॉन्फिडेंस पर सवाल उठ सकता है। इसलिए कहा जाता है कि इंटरव्यू के दौरान आपका फर्स्ट इम्प्रेशन ही दिलाता है सफलता। आप बताए गए टिप्स को फॉलो करती हैं तो आपको आसानी से जॉब मिल जाएगा।

रेलवे पुलिस कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर की तैयारी कैसे करे

सुरक्षा के लिए रेलवे पुलिस फोर्स का गठन किया है, जिसके अंतर्गत कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर का पद आता है, इन पदों पर भर्ती समय-समय पर रेलवे द्वारा की जाती है, इन पदों का वेतन बहुत अधिक होता है, इसलिए इसकी अधिसूचना जारी होने पर अभ्यर्थियों द्वारा बहुत अधिक संख्या में आवेदन किये जाते है, जिससे इस पद पर प्रतियोगिता कुछ और भी अधिक कठिन हो जाती है, इस पोस्ट मे हम आपको रेलवे पुलिस कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर की तैयारी कैसे करें इसके लिए योग्यता क्या चाहिए पूरी जानकारी प्रदान करने वाले है।

रेलवे पुलिस कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर

पुलिस कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर रेलवे का बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग है, जिसके अंतर्गत सभी रेलवे को सुरक्षा प्रदान की जाती है, इस विभाग के अंतर्गत बहुत से महत्वपूर्ण पद आते है, उन्ही में से कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर का पद आता है, रेलवे में इन पदों पर भर्ती मंडल के अनुसार की जाती है, आप जिस मंडल के अंतर्गत आवेदन करेंगे, आपको वही पर चयन किया जायेगा।

पात्रता

सब-इंस्पेक्टर पद के लिए

- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इस पद के लिए अभ्यर्थी की आयु 20 से 25 वर्ष के बीच में होनी चाहिए।

कांस्टेबल पद के लिए

- इस पद हेतु अभ्यर्थी को 10वीं / 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
- अभ्यर्थी की आयु 18 से 25 वर्ष के बीच में होनी चाहिए

परीक्षा की तैयारी करने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स

- परीक्षा में अंक गणित और रीजनिंग का महत्वपूर्ण स्थान है, इसलिए इसकी तैयारी प्रति दिन 3 से 4 घंटे करनी चाहिए, जिससे प्रश्नों को हल करने की स्पीड बढ़ जाए।
- अच्छी तैयारी करने के लिए एक समय-सारिणी बनाये और उस सारणी के अनुसार ही अपनी तैयारी करे, यह इस प्रकार से बनाये की पूरे सप्ताह में जो भी पढ़ाई की गयी हो, उसका रिवीजन रविवार किया जा सके।
- सामान्य ज्ञान के अंतर्गत मुख्य रूप से भारत से सम्बंधित ही प्रश्न पूछे जाते है, इसलिए भारत की जानकारी आपको विस्तृत रूप में होनी चाहिए।
- इस परीक्षा की तैयारी करने के लिए आपको मॉडल पेपर हल करना चाहिए, मॉडल पेपर में जो भी प्रश्न दिए हो, उनको किसी नोट्स में लिखते जाये, जिससे आवश्यकता पड़ने पर जल्दी से रिवीजन किया जा सके, मॉडल पेपर से आपको प्रश्नों का स्तर समझ में आ जायेगा, इसको हल करते समय पेपर की समयावधि का ध्यान जरूर रखे, यह परीक्षा 90 मिनट की होती है, आपको इसे 80 मिनट के अंदर हल करने का प्रयास करना चाहिए, इस प्रकार से आपकी स्पीड बढ़ जाएगी, जिसका लाभ आपको मूल परीक्षा में जरूर मिलेगा।
- मॉक टेस्ट देना आपको प्रत्येक सप्ताह एक मॉक टेस्ट अवश्य देना चाहिए, जिससे आपको अपनी तैयारी के विषय में सही से जानकारी हो, प्रत्येक मॉक टेस्ट में आपको कई ऐसे प्रश्न मिलेंगे, जो आपको नहीं आते होंगे, टेस्ट देने के उपरांत उन सभी प्रश्नों को सही से हल करने का प्रयास करे, यदि आपको उन प्रश्नों को हल करने में परेशानी हो रही है, तो आप किसी अपने मित्र या किसी शिक्षक की सहायता ले सकते है, इन प्रश्नों के लिए आप इंटरनेट की भी सहायता ले सकते है, जिससे आप का काफी समय बचेगा ।
- लिखित परीक्षा के आलावा आपको फिजिकल टेस्ट में भी उत्तीर्ण होना आवश्यक है, अन्यथा आपका चयन नहीं होगा, इसलिए आपको फिजिकल टेस्ट की परीक्षा के दो महीने पहले से ही इसकी तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, इसके लिए आपको प्रतिदिन व्यायाम करना चाहिए, आपको इस परीक्षा के मानक के अनुसार अपनी दौड़ और लम्बी कूद लगानी चाहिए, दौड़ लगाने में समय का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- परीक्षा देने से लगभग एक महीने पहले अपना मेडिकल टेस्ट करवाना चाहिए, जिससे आपको समय रहते ही अपनी कमी का ज्ञान हो जाये और उसको परीक्षा के समय तक ठीक किया जा सके।

आईएसपीएल के दूसरे सत्र की घोषणा पर बोले सचिन

मैंने भी खेला है टेप बॉल से

मुंबई। टेनिस गेंद टूर्नामेंट 'इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) का दूसरा सत्र ठाणे के दादोजी कोंडादेव स्टेडियम में 26 जनवरी से नौ फरवरी 2025 तक होगा। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसके लिए अक्टूबर से देश के पांच क्षेत्रों के 55 शहरों में ट्रायल होंगे। इस टूर्नामेंट को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्होंने भी बचपन में टेप बॉल से खेला है। साथ ही कहा कि इस प्रकार की गेंदों के सामने बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता। साथ ही कहा कि इसके अनुभव से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिवर्स स्विंग का सामना करने में उन्हें आसानी हुई। तेंदुलकर ने आईएसपीएल को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि स्टेडियम में 30,000 और इससे अधिक दर्शकों को आकर्षित करने वाले टूर्नामेंट में आने वाले समय में महिला क्रिकेटर भी शामिल होंगी। तेंदुलकर ने लीग के खास नियमों जैसे 50-50 और एक शॉट पर नौ रन देने के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर हम बल्लेबाजों को कुछ फायदा दे रहे हैं तो गेंदबाजों को भी खेल में शामिल होने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने खेलने के दिनों में गेंद पर एक तरफ से टेप से चिपका देता था। इससे रिवर्स स्विंग का अभ्यास करता था जिससे कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इसका सामना कर सकूं। उन्होंने कहा कि मैंने सोचा कि क्यों ना इसे इस प्रारूप में शामिल किया जाए और अगर इसे लागू किया जाता है तो बल्लेबाज की तकनीक की भी परीक्षा होगी। लाल गेंद के मामले में जहां बल्लेबाजों को स्विंग होने पर अपने शरीर के करीब खेलना पड़ता है तो वहीं टेप वाली टेनिस गेंद के मामले में स्थिति पूरी तरह अलग होती है। तेंदुलकर ने कहा कि जो गेंदबाज ट्रायल और चयन के माध्यम से आए थे, वे टेप लगी गेंद से खेलने के आदी नहीं थे पर कुछ समय बिताने के बाद उन्होंने भी इसे सीख लिया।

आईसीसी युवा ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल कराने पर विचार कर रहा

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) युवा ओलंपिक 2030 में क्रिकेट को शामिल कराने को लेकर विचार कर रहा है। भारत सरकार ने युवा ओलंपिक के 2030 संस्करण की मेजबानी में रुचि व्यक्त किसे जाने से भी आईसीसी का हौंसला बढ़ा है क्योंकि भारत में इस खेल के प्रति लोगों में दीवानगी है। आईसीसी का मानना है कि क्रिकेट को युवा ओलंपिक में शामिल किये जाने से विश्व स्तर पर क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके साथ ही इसे खेलने वाले देशों की तादाद भी बढ़ेगी। अभी एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तीरंदाजी, बीच वॉलीबॉल, मुक्केबाजी, कैनोइंग, साइकिलिंग, गोताखोरी, घुड़सवारी, तलवारबाजी, फील्ड हॉकी, फुटबॉल, फुटसल, गोल्फ, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, आधुनिक पेंटाथलॉन, रोइंग, रग्बी सेवन्स, नौकायन, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, तायक्वोंडो, टेनिस, ट्रायथलॉन, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, बास्केटबॉल, और कुश्ती ही यूथ ओलंपिक में शामिल किये गये हैं। आईसीसी अधिकारियों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का रुख भी इस प्रस्ताव को लेकर सकारात्मक ही रहने की उम्मीद है। इसका कारण है कि आईओसी भी क्रिकेट के महत्व और इससे ओलंपिक खेलों को होने वाले फायदे के बारे में भी जानता है। युवा ओलंपिक खेलों में 15 से 18 वर्ष के ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। आईसीसी का मानना है कि यदि भारत को युवा ओलंपि की मेजबानी मिलती है तो उसमें क्रिकेट को शामिल किये जाने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी क्योंकि आईओसी भी जानता है कि भारत में क्रिकेट को देखने वाले सबसे अधिक लोग हैं।इससे पहले साल 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट खेला जाएगा।

द्रविड़ के बेटे समित की शानदार बल्लेबाजी के बाद भी मैसूर वॉरियर्स हारी

बेंगलुरु। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ ने यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे महाराजा टी20 लीग में शानदार बल्लेबाजी कर सबका ध्यान खींचा है। समित ने इस लीग में मैसूर वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए गुलबर्गा मिस्टिक्स के खिलाफ शानदार पारी खेली हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। समित ने उस समय 33 रन की पारी रखी जब उनकी टीम ने 20 रनों के अंदर ही दो विकेट खो दिये थे। समित ने आकर कप्तान करुण नायर के साथ तीसरे विकेट के लिए अहम साझेदारी निभाते हुए टीम को संकट से उबारा। समित और करुण के बीच 83 रन साझेदारी हुई और इससे मैसूर वॉरियर्स की टीम 196 रन तक पहुंची। समित ने बल्लेबाजी के दौरान अपने पिता की तरह ही एक छोर संभाले रखा। इस उभरते क्रिकेटर ने 24 गेंदों पर 4 चौके और 1 छक्का लगाकर 33 रन बनाए। वह टूर्नामेंट के शुरुआती दो मैचों में विफल रहे थे पर इस मैच में उन्होंने अपने इरादे दिखा दिये। वहीं 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुलबर्गा मिस्टिक्स की टीम ने आखिरी गेंद पर चौके से मुकाबला जीत लिया। गुलबर्गा की जीत में रविचंद्रन स्मरण की अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाज ने 60 गेंदों पर 104 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी।

द हंड्रेड : दीप्ति ने अंतिम ओवर में छक्का लगाकर लंदन स्पिरिट को जीत दिलायी

लंदन। भारत की दीप्ति शर्मा की शानदार बल्लेबाजी से लंदन स्पिरिट ने महिलाओं के द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट को जीत लिया है। टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में स्पिरिट ने वेल्श फायर को हराया। इस मैच में लंदन स्पिरिट को जीत के लिए अंतिम तीन गेंदों पर चार रन चाहिये थे। ऐसे में दीप्ति ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। वेल्श फायर ने इस मैच में लंदन स्पिरिट को जीत के लिए 116 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे टीम ने दीप्ति के छक्के के बल पर 2 गेंदें और 4 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। दीप्ति ने इस मैच में 16 रनों की नाबाद पारी खेली। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्श फायर ने निर्धारित 100 गेंदों पर 8 विकेट खोकर 115 रन बनाये थे। जेस जोनासेन ने सबसे अधिक 54 रन बनाये। उनके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज अधिक रन नहीं बना पाया। वहीं इसके बाद खेलते हुए लंदन स्पिरिट को भी शुरुआती झटके लगे पर ओपनर जॉर्जिया रेडमेयने 34 रन बनाकर एक छोर संभाले रहीं।

पाक सरकार पर भड़के पूर्व हॉकी खिलाड़ी

कराची। पाकिस्तान के पूर्व ओलंपियन हॉकी खिलाड़ियों ने सरकार पर अपमान करने का आरोप लगाया है। इन हॉकी खिलाड़ियों ने कहा है कि ओलंपिक स्वर्ण विजेता अरशद नदीम के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज समारोह को लेकर उन्हें जो निमंत्रण दिया गया था। उसे अंतिम समय में वापस ले लिया गया। पूर्व हॉकी खिलाड़ी नदीम काजिम ने कहा कि अतिथि प्रबंधन के नाम पर निमंत्रण पत्र पास लिए जाने से सभी पूर्व खिलाड़ी नाराज हैं। नाजिम ने कहा कि प्रधानमंत्री सचिवालय ने इस समारोह में शामिल होने के लिए हमें निमंत्रण के साथ ही एक ईमेल भी भेजा आ पर अंतिम समय में संदेश मिला कि मेहमानों की संख्या अधिक होने से हो रही परेशानी को देखते हुए आमंत्रण वापस ले लिया गया है। उन्होंने इसे दुखद बताते हुए कहा कि देश के लिए हॉकी में एक से अधिक ओलंपिक पदक जीतने वाले हॉकी खिलाड़ियों के साथ क्या आप इस तरह का व्यवहार किया जाना निराशाजनक है। सरकार को भूलना नहीं चाहिये कि उसे शुरुआत में हॉकी में ही पदक मिला था। पाकिस्तान की हॉकी टीम ने ओलंपिक में तीन स्वर्ण और एक कांस्य पद जीता है। उसे अंतिम बार लॉस एंजिल्स ओलंपिक में कांस्य पदक मिला था।

व्यापार

शेयर बाजार की बढ़त के साथ शुरूआत

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के दौरान बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स सोमवार को बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स लगभग 243.41 अंक बढ़कर 80,680.25 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 50 95.20 अंक बढ़कर 24,636.35 के स्तर पर पहुंच गया। बीएसई में शामिल कंपनियों में एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और अदानी पोर्ट्स बढ़त में कारोबार कर रहे थे जबकि इंफोसिस, टीसीएस, नेस्ले इंडिया और टेक महिंद्रा के शेयर गिरावट में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह, एनएसई पर बीपीसीएल, ओएनजीसी और एनटीपीसी लाभ में रहे जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया शीर्ष पर रहे। व्यापक बाज़ारों में भी वृद्धि हुई। निफ्टी स्मॉलकैप 1 फीसदी चढ़ा जबकि मिडकैप 0.41 फीसदी बढ़कर कारोबार कर रहा था। सेक्टर के लिहाज से निफ्टी पीएसयू बैंक, ओएमसी और मीडिया 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ शीर्ष पर रहे। बाजार का रुझान पॉजिटिव बना हुआ है। 1,689 शेयर हरे निशान में और 406 शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी का ट्रेंड देखा जा रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 280 अंक या 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,936 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 192 अंक की तेजी के साथ 18,628 पर कारोबार कर रहे हैं।वहीं शुक्रवार 16 अगस्त को 1,330.96 अंक उछलकर 80,436.84 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी भी 397.40 अंक बढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 24,541.15 अंक पर पहुंच गया था। इसके साथ ही एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। जापान के निक्केई और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट का रुख बना हुआ है। वहीं हांगकांग के हैंगसेंग और चीन के शंघाई कंपोजिट में बढ़त देखी जा रही है। यूरोपीय बाजारों में भी मजबूत रुख है। अमेरिकी बाजारों में डाऊ जोंस, एसएंडपी500 और नैसडेक शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुए थे।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। रक्षाबंधन वाले दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। आज की गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये से लेकर 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,840 रुपये से लेकर 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 85,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 65,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की समीक्षा बैठक की। निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पीएसबी प्रमुखों के साथ वित्त मंत्रालय के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन की विभिन्न मापदंडों पर समीक्षा की गई। मंत्रालय के मुताबिक बैठक में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव डॉ. विवेक जोशी के साथ-साथ नए सचिव एम. नागराजू के अलावा वित्तीय सेवा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

अशोक कुमार सिंह ने ईएसआईसी के महानिदेशक का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के महानिदेशक का कार्यभार संभाल लिया है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि अशोक कुमार सिंह ने ईएसआईसी के महानिदेशक का पदभार संभाल लिया है। वह केरल कैडर के 1999 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वे केरल सरकार के जल संसाधन विभाग में प्रधान सचिव के पद पर कार्यरत थे। उन्हें जिला और राज्य स्तरीय संगठनों के शासन और प्रबंधन का व्यापक अनुभव है। मंत्रालय के मुताबिक अशोक कुमार सिंह केंद्र स्तर पर वे राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन में कार्यकारी निदेशक, रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में निदेशक के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली से एम. फिल. की डिग्री हासिल की है। वे आईआईटी, कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं।

भारत में महिंद्रा की 5-डोर थार रॉक्स लॉन्च

नई दिल्ली। स्वदेशी वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा ने अपनी 5-डोर थार रॉक्स लॉन्च कर दी है।महिंद्रा ने घोषणा की है कि इस गाड़ी की बुकिंग 3 अक्टूबर, 2024 से शुरू होगी। बुकिंग ऑनलाइन और पूरे भारत में ब्रांड डीलरशिप पर शुरू होगी। थार रॉक्स के लिए टेस्ट ड्राइव 14 सितंबर से शुरू होगी और डिलीवरी दशहरे से की जाएगी। इस गाड़ी के बेस पेट्रोल वेरिएंट (एमएक्सआई) की शुरुआती कीमत 12.99 लाख और बेस डीजल वेरिएंट की शुरुआती कीमत 13.99 लाख रुपए एक्स-शोरूम है। थार रॉक्स का मुकाबला हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, होंडा एलिवेट, एमजी एस्टोर, मारुति ग्रैंड विटारा और टोयोटा हाइडर जैसी कारों से होगा।इस 5-डोर थार में नई ग्रिल, सी-आकार के एलईडी डीआरएल, प्रोजेक्टर हेडलैंप, गोलाकार फॉग लाइट, डुअल-टोन एलॉय व्हील और रियर-डोर-माउंटेड हैंडल दिए गए हैं। पीछे की तरफ इसमें रेक्टेंगुलर एलईडी टेललाइट्स और टेलगेट-माउंटेड स्पेयर व्हील दिए गए हैं। इस गाड़ी में नया 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी, डिजिटल कलर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट, डुअल-टोन अपहोल्स्ट्री, थ्री-प्वाइंटेड सीट बेल्ट, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी) और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स दिए गए हैं। महिंद्रा थार रॉक्स में पहला 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 162एचपी की पावर और 330 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। वहीं दूसरा 2.2-लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 152 एचपी की पावर और 330एनएम का टॉर्क पैदा करता है। दोनों इंजन मैनुअल ट्रांसमिशन गियरबॉक्स से जोड़े गए हैं।

स्त्री 2 100 करोड़ की ओर, खेल खेल में और वेदा की हालत और खस्ता

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्त्री 2, खेल खेल में और वेदा ये 3 हिंदी फिल्में सिनेमाघरों में आईं।जहां स्त्री 2 ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया और यह इस साल की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी, वहीं अक्षय कुमार की खेल खेल में दूसरे दिन भी बॉक्स ऑफिस पर खेल करने से चूक गई।उधर वेदा भी स्त्री 2 के आगे घुटनों पर नजर आ रही है। स्त्री 2 ने रिलीज होते ही बड़ा धमाका कर दिया है। 15 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म ने ओपनिंग डे पर 51 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं अब दूसरे दिन भी इसका डंका बज रहा है।सैकनिल्क के मुताबिक, इस फिल्म ने दूसरे दिन 30 करोड़ की कमाई की। 16 अगस्त को छुट्टी न होने के कारण कमाई गिरी जरूर, लेकिन अब भी यह काफी मजबूत स्थिति में है।फिल्म महज 2 दिन में 90.30 करोड़ रुपये कमा चुकी है। स्त्री 2 साल 2018 में आई इसी नाम की फिल्म का सीक्वल है, जिसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव के अलावा विजय राज, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और तमन्ना भाटिया भी हैं।जहां प्रीक्वल में चंदेरी गांव स्त्री के आतंक से परेशान था, वहीं स्त्री 2 में अब सरकटे का आतंक है।दर्शकों को स्त्री 2 ने अपना दीवाना बना लिया है। वे इसकी कहानी से लेकर इसके कलाकारों तक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अक्षय, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल और आदित्य सील की फिल्म खेल खेल में पहले दिन उम्मीद के मुकाबले कमाई करने में नाकाम रही। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 5.05 करोड़ रुपये की कमाई की थी।शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, खेल खेल में ने दूसरे दिन 1.90 करोड़ रुपये की कमाई की है। मतलब यह कि दूसरे दिन फिल्म की हालत और खस्ता हो गई है।

वरुण तेज की पैन-इंडिया फिल्म मटका का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

नोरा फतेही और मीनाक्षी चौधरी भी आएंगी नजर

वरुण तेज की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म मटका का फर्स्ट लुक पोस्टर अब रिलीज हो चुका है. इस फिल्म का निर्देशन करुणा कुमार ने किया है और इसमें वरुण तेज के साथ नोरा फतेही और मीनाक्षी चौधरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी. मटका का पोस्टर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है, और दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है. फिल्म का निर्माण डॉ. विजेंदर रेड्डी टीगला और रजनी तलुरी द्वारा किया गया है, और इसे पूरे भारत में एक बड़ी रिलीज के लिए तैयार किया जा रहा है. फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में वरुण तेज का दमदार अंदाज और फिल्म की भव्यता झलक रही है, जो इस बात का संकेत है कि मटका एक बड़े पैमाने पर बनाई गई फिल्म होगी. पोस्टर ने दर्शकों की उम्मीदों को और भी बढ़ा दिया है, और अब सभी को बेसब्री से फिल्म की रिलीज का इंतजार है. इसमें वरुण तेज को दो अवतारों में दिखाया गया है। एक अवतार में वरुण तेज युवा नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरे अवतार में वरुण तेज अधेड़ उम्र के व्यक्ति दिखाई दे रहे हैं। फिल्म में नायक के 24 साल के सफर को दिखाया जाएगा और वह चार अलग-अलग गेट-अप में नजर आएगा। फर्स्ट लुक पोस्टर में किरदार के दो रूप दिखाए गए हैं, एक दलित से एक अधिपति तक। वरुण तेज के पोस्ट पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि केजीएफ कट आउट पेद्दुकोनी ईवेम फिल्में अन्ना कृपया बड़े पैमाने पर फिल्मों का चयन करें। दूसरे यूजर ने लिखा कि नागा बाबू गारू को अपने नए प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं। एक अन्य यूजर ने लिखा कि आप इप्सविच, सफ़ोक में अगली फ़िल्म की शूटिंग कब करने जा रहे हैं। वरुण तेज का फिल्म मटका तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी। इस साल की शुरुआत में वरुण तेज को मानुषी छिल्लर के साथ ऑपरेशन वैलेंटाइन में देखा गया था। इस प्रोजेक्ट का निर्देशन शक्ति प्रताप सिंह हाडा ने किया है। यह उनकी बतौर निर्देशक पहली फिल्म है।

सनी देओल के साथ बॉर्डर 2 में नजर आएंगे वरुण धवन

पर्दे पर कब आएगी फिल्म?

जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी फिल्म बॉर्डर बॉलीवुड की यादगार फिल्मों में से एक है।महज 10 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 65.57 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।इस फिल्म में सनी देओल और सुनील शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। 27 साल बाद हाल ही में निर्माताओं ने बॉर्डर के सीक्वल का ऐलान किया है।अब वरुण धवन इस फिल्म की स्टार कास्ट में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बॉर्डर 2 में वरुण भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। निर्माताओं ने उनसे मुख्य भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया है।कहा जा रहा है कि अभिनेता को फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है और उन्होंने इसके लिए हामी भर दी है।बॉर्डर 2 में वरुण जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। दर्शकों के बीच उनका अनदेखा अवतार सामने आएगा। निर्माताओं की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। बॉर्डर 2 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी युद्ध फिल्म बताया जा रहा है।अनुराग सिंह ने बॉर्डर 2 के निर्देशन की कमान संभाली है, वहीं भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता इसके निर्माता हैं।बॉर्डर में अक्षय खन्ना भी नजर आए थे। यह फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी। फिल्म में जवानों की शहादत ने हर किसी की आंखें नम कर दी थी।

अनन्या पांडे की पहली वेब सीरीज कॉल मी बे का नया पोस्टर हुआ जारी

6 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा स्ट्रीम

अनन्या पांडे बॉलीवुड में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। अनन्या पांडे ने बार-बार साबित किया है कि वह यहां अपनी पहचान बनाने के लिए हैं और फिल्मों की उनकी पसंद इसे दर्शाती है। फिल्मों में प्रशंसा प्राप्त करने के बाद, अभिनेत्री 'कॉल मी बे के साथ अपनी सीरीज की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब इसी बीच निर्माताओं ने आखिरकार रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है। आपको बता दें कि करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर अनन्या पांडे की पहली वेब सीरीज 'कॉल मी बे से एक नया पोस्टर रिलीज किया है। बहुप्रतीक्षित शो 6 सितंबर, 2024 से अमेज़न प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा। आगामी सीरीज 'कॉल मी बे इशिता मोइत्रा द्वारा रचित और निर्देशक कोलिन डीकुन्हा द्वारा निर्देशित है। अनन्या पांडे के साथ इस शो में वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर सहित कलाकारों की टुकड़ी है। मनोरम कथा लिखने वाले लेखक इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर हैं। धर्मैटिक एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले सीरीज का निर्माण प्रतिभाशाली तिकड़ी करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा द्वारा किया गया है। कॉल मी बे 6 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। अनन्या पांडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार खो गए हम कहां में देखा गया था। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव भी मुख्य भूमिका में थे। कॉल मी बे के अलावा, अनन्या के पास कुछ अन्य रोमांचक परियोजनाएं हैं और उनमें से एक विक्रमादित्य मोटवानी की अगली है। कहा जा रहा है कि वह अक्षय कुमार के साथ भी एक फिल्म कर रही हैं।

समुंद्र किनारे भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने कराया हॉट फोटोशूट, फोटोज से नहीं हटा पाएंगे नजरें

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका अब तक सबसे क्लासी लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका स्टनिंग लुक फैंस के बीच आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान फ्लोरल वनपीस आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ओपन हेयर, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा समुंद्र के किनारे मदमस्त अंदाज में कातिल अदाओं से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस हमेशा लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने लिखा है हॉट एंड ग्लैमरस। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा- टू मच हॉट।

विक्रांत मैसी स्टारर क्राइम थ्रिलर सेक्टर 36 ओटीटी रिलीज के लिए तैयार

13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

विक्रांत मैसी की अपकमिंग फिल्म सेक्टर 36 की ओटीटी पर रिलीज डेट सामने आ गई है. यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित हैं. इसमें विक्रांत के साथ एक्टर दीपक डोबरियाल भी नजर आएंगे. सेक्टर 36 झुग्गी बस्ती से कई बच्चों के लापता होने की कहानी है. जिसमें इस मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी के सामने रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है. सोशल मीडिया पर मेकर्स ने एक मोशन पोस्टर शेयर किया है. पोस्टर में विक्रांत और दीपक गैंगस्टर लुक में हैं, पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अनसुलझी गुमशुदगी, और काला सच. इस खौफनाक क्राइम-थ्रिलर में विक्रांत मैसी और दीपक डोबरियाल नजर आएंगे. यह सच्ची घटनाओं से प्रेरित है. सेक्टर 36 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी. विक्रांत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अनाउंसमेंट की और लिखा- यह रहा. फिल्म के बारे में बात करते हुए, मैडॉक फिल्म्स के निर्माता दिनेश विजान ने कहा, हम नेटफ्लिक्स के साथ फिर से काम करने और सेक्टर 36 जैसी कहानी पर काम करने के लिए एक्साइटेड हैं. हमारे लिए, यह एक ऐसी कहानी है जिसे बताया जाना बहुत जरूरी है. फिल्म में एक पुलिस अधिकारी झुग्गी बस्तियों से बच्चों के गायब होने के केस की जांच करता है.

मालविका मोहनन कार्थी स्टारर सरदार 2 में शामिल हुईं

सरदार 2 के पीछे प्रोडक्शन बैनर प्रिंस पिक्चर्स ने फिल्म के कलाकारों में मालविका मोहनन को शामिल करने की घोषणा की है। 2022 की कार्थी स्टारर सरदार की अगली कड़ी में कार्थी अपनी मुख्य भूमिका को फिर से निभाते हुए दिखाई देंगे, जिसमें पीएस मिथ्रन निर्देशक के रूप में वापसी करेंगे। एसजे सूर्या भी कलाकारों का हिस्सा हैं, जबकि राशि खन्ना और मुनीशकांत सहित बाकी मूल कलाकारों की अगली कड़ी के लिए पुष्टि होना बाकी है। पहली फिल्म की तकनीकी टीम भी वापस आएगी, जिसमें जॉर्ज सी विलियम्स सिनेमैटोग्राफी संभालेंगे और दिलीप सुब्बारायन स्टंट निर्देशित करेंगे। हालांकि, युवान शंकर राजा संगीतकार के रूप में जीवी प्रकाश की जगह लेंगे और विजय वेलुकुट्टी एंटनी एल रूबेन से संपादन का काम संभालेंगे। राजकुमार पिक्चर्स के बैनर तले लक्ष्मण कुमार सरदार 2 का निर्माण कर रहे हैं। मालविका मोहनन, जिन्होंने हाल ही में विक्रम-पा रंजीत की फिल्म थंगालान के लिए डबिंग पूरी की है, अगली बार इस सीक्वल में नज़र आएंगी। थंगालान 15 अगस्त को रिलीज़ होने वाली है। उनकी आने वाली परियोजनाओं में प्रभास की मुख्य भूमिका वाली द राजासाब भी शामिल है।

उर्फी जावेद की सीरीज फॉलो कर लो यार का ट्रेलर जारी

अमेजन प्राइम वीडियो पर 23 अगस्त को रिलीज होगी?

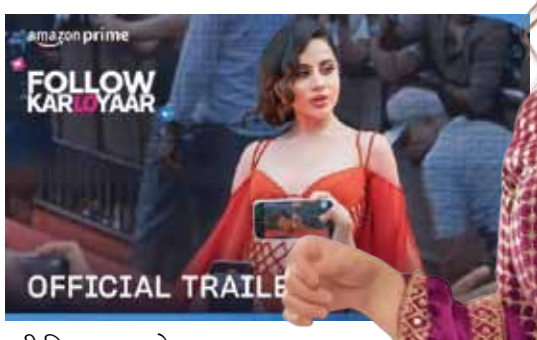

अभिनेत्री और सोशल मीडिया स्टार उर्फी जावेद अक्सर अपने अतरंगी कपड़ों और अजीबो-गरीब फैशन के चलते चर्चा में रहती हैं।उन्होंने इसी साल एकता कपूर की फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा है, वहीं अब उर्फी ओटीटी की दुनिया में धमाल मचोने को तैयार है।पिछले कुछ दिनों से वह अपने करियर की पहली वेब सीरीज फॉलो कर लो यार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं, जिसका ट्रेलर अब रिलीज हो गया है। फॉलो कर लो यार के निर्देशन की कमान संदीप कुकरेजा ने संभाली है। फजिला अल्लाना और कामना मेनेजेस इसके निर्माता हैं।ट्रेलर में उर्फी की मां जाकिया सुल्ताना और उनकी तीनों बहनों (उरुसा, अस्फी, डॉली) की झलक भी दिखी है।यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। इसकी रिलीज तारीख भी सामने आ गई है। फॉलो कर लो यार का प्रीमियर 23 अगस्त से किया जाएगा।इस सीरीज में मुनव्वर फारूकी और ओरी ने मेहमान भूमिका निभाई है।